"बिजनेस पोस्ट के अन्तर्गत डाक शुल्क के नगद भुगतान (बिना डाक टिकट) के प्रेषण हेतु अनुमत. क्रमांक जी. 2-22-छत्तीसगढ़ गजट/38 सि. से. भिलाई, दिनांक 30-5-2001."

पंजीयन क्रमांक "छत्तीसगढ़/दुर्ग/सी. ओ./रायपुर 17/2002."

छत्तीसगढ़ राजपत्र

प्राधिकार से प्रकाशित

क्रमांक 32] रायपुर, शुक्रवार, दिनांक 8 अगस्त 2003—श्रावण 17, शक 1925

विषय—सूची

भाग १

राज्य शासन के आदेश

सामान्य प्रशासन विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 18 जुलाई 2003

क्रमांक ई-1-5/2003/एक/2.—छत्तीसगढ़ राज्य संवर्ग को आवंटित भा. प्र. से. के 2001 बैच के परिवीक्षाधीन अधिकारी सुश्री शहला निगार को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में द्वितीय दौर के प्रशिक्षण की समाप्ति पर राज्य में जिला सरगुजा में सहायक कलेक्टर के पद पर पदस्थ किया जाता है.

2. सुश्री निगार लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में द्वितीय दौर के प्रशिक्षण के बाद दिनांक 25-7-2003 को कार्य-मुक्त होंगी तथा कार्यग्रहण अवधि का लाभ उठाकर अपनी पदस्थापना के जिले में कार्यभार ग्रहण करेंगी.

संचालक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, छत्तीसगढ़ द्वारा शासकीय क्षेत्रीय मुद्रणालय, राजनांदगांव से मुद्रित तथा प्रकाशित—2003.

रायपुर, दिनांक 22 जुलाई 2003

क्रमांक ई-1-5/2003/1/2.—श्री उजागर सिंह, भा. प्र. से. (के. एल. 1981), सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग को अस्थायी रूप से, आगामी आदेश तक, आयुक्त एवं प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ़ राज्य कृषि विपणन मण्डी बोर्ड के पद पर पदस्थ किया जाता है.

2. श्री टी. एस. छतवाल, (भा. प्र. से. 1984), सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, लोक निर्माण एवं सामान्य प्रशासन विभाग (रा. पु. प्र.) को अस्थायी रूप से, आगामी आदेश तक सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग पदस्थ किया जाता है.

3. श्री के. डी. पी. राव, (भा. प्र. से. 1988), विशेष सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, कृषि विभाग एवं प्रबंध संचालक, मण्डी बोर्ड को अस्थायी रूप से, आगामी आदेश तक विशेष सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग (स्वतंत्र प्रभार) के पद पर पदस्थ किया जाता है.

4. श्री एस. के. पाठक, (भा. प्र. से. 1990), प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ़ अधोसंरचना विकास निगम, संचालक संस्थागत वित्त एवं पदेन विशेष सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, वित्त एवं योजना विभाग को अस्थायी रूप से, आगामी आदेश तक विशेष सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, लोक निर्माण विभाग (स्वतंत्र प्रभार), प्रबंध संचालक, छत्तीसगढ़ अधोसंरचना विकास निगम के पद पर पदस्थ किया जाता है.

5. श्री आर. एस. विश्वकर्मा, (भा. प्र. से. 1991), संयुक्त सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, वित्त एवं योजना तथा गृह (विमानन) एवं डायरेक्टर, सिविल एवीएशन को अस्थायी रूप से, आगामी आदेश तक अपने वर्तमान कर्त्तव्य के साथ-साथ संचालक, संस्थागत वित्त का अतिरिक्त कार्य सौंपा जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
एस. के. मिश्र, मुख्य सचिव.

रायपुर, दिनांक 22 जुलाई 2003

क्रमांक 1649/1129/2003/साप्रवि/1/2/लीव.—श्री मनोज कुमार पिंगुआ, कलेक्टर, तत्का. जांजगीर-चांपा को इस विभाग के आदेश क्रमांक 775/625/2003/2/एक/स्था., दिनांक 31-3-2003 द्वारा दिनांक 16-4-2003 से 23-4-2003 तक (8) दिवस का स्वीकृत अर्जित अवकाश एतद्द्वारा निरस्त किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
के. के. बाजपेयी, अवर सचिव.

विधि और विधायी कार्य विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 10 जुलाई 2003

क्रमांक 4627/डी-534/21-ब/छ.ग./2003.—विधिक सेवा प्राधिकरण अधिनियम, 1987 (क्रमांक 39 सन् 1987) की धारा 9 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए तथा छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के माननीय मुख्य न्यायाधिपति की सहमति से राज्य सरकार, एतद्द्वारा गठित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

संशोधन

उक्त प्राधिकरण, की अनुसूची के स्तंभ तीन, सरल क्रमांक छः में जिला राजनांदगांव के पश्चात्, जिला कबीरधाम अन्तः स्थापित किया जाय.

Raipur, the 10th July 2003

No. 4627/D-534/21-B/CG/2003.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 9 of the Legal Service Authority Act, 1987 (No. 39 of 1987) and with the concurrent of the Hon'ble Chief Justice of High Court of Chhattisgarh, the State Government hereby makes the following amendment in constituted District Legal Service Authority :—

AMENDMENT

In said Authority, in serial number six in column three of the schedule, after District Rajnandgaon, the District Kabir Dham shall be inserted.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
प्रभात शास्त्री, उप-सचिव.

समाज कल्याण विभाग

मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 7 जुलाई 2003

क्रमांक एफ/स.क.वि./26-02-03/901.—राज्य शासन एतद्द्वारा किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2000 के अधीन अधिसूचित नियम 2001 नियम 24 के अंतर्गत राज्य स्तरीय चयन समिति की अनुशंसा के आधार पर नीचे दर्शाए अनुसार बालक कल्याण समिति के अध्यक्ष तथा सदस्यों की समिति का गठन करता है :—

1.	जिला सरगुजा	1.	कुमारी सोनल जामनिक	–	अध्यक्ष
		2.	श्रीमती निवासी कुजूर	–	सदस्य
		3.	श्री विजय कुमार इंगोले	–	सदस्य
		4.	श्री ए. सी. त्रिपाठी	–	सदस्य
		5.	श्री राजेन्द्र कुमार सिंह	–	सदस्य

समिति का कार्यकाल आदेश जारी होने के दिनांक से 3 वर्ष का होगा और अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल बालक कल्याण समिति की कालावधि समाप्त होने के साथ समाप्त हो जायेगा. समिति का सदस्य रहते हुए सदस्य अधिकतम दो कालावधियों के लिए ही नियुक्ति का पात्र होगा.

यह समिति संप्रेक्षण गृह के परिसर में अपनी बैठकें करेगी. सदस्य अधिनियम की धारा 4 की उपधारा (5) में उपबंधित रूप से लिखित में 1 मास का अग्रिम नोटिस देकर किसी समय पद त्याग सकेगा या उसे पद से हटाया जा सकेगा.

यह आदेश तत्काल प्रभावशील होगा.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
जी. डी. गुप्ता, अवर सचिव.

पर्यावरण एवं नगरीय विकास विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 8 जुलाई 2003

संशोधित अधिसूचना

क्रमांक एफ 1-32/2003/18.—राज्य शासन द्वारा विभागीय अधिसूचना क्रमांक एफ 1-50/2003/18 दिनांक 27-5-2003 द्वारा जिला कांकेर अंतर्गत स्थित ग्राम पंचायत, अंतागढ़ एवं पखांजूर को नगर पंचायत का दर्जा दिये जाने संबंधी प्रारंभिक अधिसूचना जारी की गई है, जिसमें टंकण त्रुटिवश ''जिला बस्तर (जगदलपुर) में समाहित है.

अत: उपरोक्त अधिसूचना में जहां कहीं भी जिला बस्तर जगदलपुर'' अंकित है को ''जिला उत्तर बस्तर कांकेर'' संशोधित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अल्ताफ अहमद, अवर सचिव.

वित्त तथा योजना विभाग
(वाणिज्यिक कर विभाग)
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 8 जुलाई 2003

क्रमांक एफ 6/184/2003/वा.कर/पांच.—राज्य शासन एतद्द्वारा प्रशासनिक कारणों से श्री सलीम सिद्दीकी, संभागीय उपायुक्त, वाणिज्यिक कर, रायपुर संभाग, रायपुर को उनके वर्तमान दायित्वों के साथ-साथ तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक अतिरिक्त अपीलीय उपायुक्त, वाणिज्यिक कर, दुर्ग घोषित करता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
के. आर. मिश्रा, उप-सचिव.

आदिमजाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 8 जुलाई 2003

क्रमांक डी-3011/1345/2003/आजावि.—राज्य शासन उर्दू साहित्य के प्रोत्साहन, संरक्षण, नये रचनात्मक और आलोचनात्मक उर्दू साहित्य के प्रकाशन, साहित्य सम्मेलन, परिचर्चा, गोष्ठियों आदि के आयोजन के उद्देश्य से एतद्द्वारा छत्तीसगढ़ उर्दू अकादमी के गठन की स्वीकृति प्रदान करता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
ए. के. द्विवेदी, विशेष सचिव.

गृह विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 20 जून 2003

क्रमांक एफ-18-154/02.—राज्य शासन द्वारा आयुक्त का पद समाप्त कर दिया गया है, अतः आयुध नियम, 1962 के नियम 5 की तालिका में वर्णित उपबंध के अनुसरण में, राज्य सरकार एतद्द्वारा, अपर मुख्य सचिव (गृह)/प्रमुख सचिव (गृह)/सचिव (गृह), छत्तीसगढ़ शासन को, अपर जिला दण्डाधिकारी/जिला दण्डाधिकारी द्वारा पारित आदेश के विरुद्ध राज्य सरकार की ओर से अपीलीय प्राधिकारी सशक्त करती है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
राबर्ट हांग्डोला, प्रमुख सचिव.

रायपुर, दिनांक 20 जून, 2003

क्रमांक एफ-18-154/02.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 348 के खण्ड (3) के अनुसरण में इस विभाग के अधिसूचना समसंख्यक दिनांक 20-6-2003 का अंग्रेजी अनुवाद राज्यपाल के प्राधिकार से एतद्द्वारा प्रकाशित किया जाता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
राबर्ट हांग्डोला, प्रमुख सचिव.

Raipur, the 20th June 2003

No. F-18-154/02.—The State Government has abolished post of the Commissioner, thus in persuance to provision mentioned in table of rule 5 of Arms Rule, 1962, the State Government hereby empowers the Additional Chief Secretary (Home)/Principal Secretary (Home)/Secretary (Home) of Chhattisgarh Government appellate authority on behalf of State Government against the order passed by Additional District Magistrate/District Magistrate.

By order and in the name of the Governor of Chhattisgarh,
ROBERT HRANGDAWLA, Principal Secretary.

उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, जनशक्ति नियोजन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग
मंत्रालय, दाऊ कल्याण सिंह भवन, रायपुर

रायपुर, दिनांक 5 अगस्त 2003

क्रमांक एफ-73-123/2003/उ. शि./38.—छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा के विस्तार हेतु राज्य सरकार एतद्द्वारा छत्तीसगढ़ राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से एक विश्वविद्यालय को स्थापित करती है जो "अंकुर यूनिवर्सिटी, बिलासपुर" कहलायेगा एवं इस विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में होगा.

1. इस विश्वविद्यालय का मुख्यालय बिलासपुर (छत्तीसगढ़) में होगा.

2. राज्य शासन एतद्द्वारा "अंकुर यूनिवर्सिटी, बिलासपुर" को ऐसे पाठ्यक्रमों के संचालन एवं उपाधि, पत्रोपाधि एवं सम्मान देने की अधिकारिता प्रदान करता है, जिन्हें कि तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य नियमों के अन्तर्गत यदि आवश्यक है, तो विश्वविद्यालय ने मान्यता अथवा अधिकारिता प्राप्त कर ली हो.

Raipur, the 5th August 2003

No. F-73-123/2003/ H E/38.—In exercise of the powers conferred in Sub-section (1) of Section 5 of the Chhattisgarh Nizi Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapna Aur Viniyaman) Adhiniyam, 2002 (No. 2 of 2002) for extension of Higher/ Technical Education in Chhattisgarh, hereby, establishes a university known as "ANKUR UNIVERSITY, BILASPUR" with effect from the date of publication of this notification in the Chhattisgarh Gazette and the jurisdiction of the University shall extend over whole of Chhattisgarh.

1. The Head Office of the University shall be at Durg (C.G.).

2. The State Government, hereby, authorises "ANKUR UNIVERSITY BILASPUR " to conduct the syllabus and to grant degree or diplomas for which it shall be recognized or authorised as may be required under any other law for the time being in force.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. सी. सिन्हा, सचिव.

रायपुर, दिनांक 22 जुलाई 2003

क्रमांक एफ-73/96/2003/उ. शि./38.—छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा के विस्तार हेतु राज्य सरकार एतद्द्वारा छत्तीसगढ़ राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से एक विश्वविद्यालय को स्थापित करती है जो "इंडियन इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, रायपुर" कहलायेगा एवं इस विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में होगा.

1. इस विश्वविद्यालय का मुख्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़) में होगा.

2. राज्य शासन एतद्द्वारा "इंडियन इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, रायपुर" को ऐसे पाठ्यक्रमों के संचालन एवं उपाधि, पत्रोपाधि एवं सम्मान देने की अधिकारिता प्रदान करता है, जिन्हें कि तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य नियमों के अन्तर्गत यदि आवश्यक है, तो विश्वविद्यालय ने मान्यता अथवा अधिकारिता प्राप्त कर ली हो.

Raipur, the 22nd July 2003

No. F-73/96/2003/H E/38.—In exercise of the powers conferred in Sub-section (1) of Section 5 of the Chhattisgarh Nizi Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapna Aur Viniyaman) Adhiniyam, 2002 (No. 2 of 2002) for extension of Higher/ Technical Education in Chhattisgarh, hereby, establishes a university known as "INDIAN INTERNATIONAL UNIVERSITY, RAIPUR" with effect from the date of publication of this notification in the Chhattisgarh Gazette and the jurisdiction of the University shall extend over whole of Chhattisgarh.

1. The Head Office of the University shall be at Raipur (C.G.).
2. The State Government, hereby, authorises "INDIAN INTERNATIONAL UNIVERSITY, RAIPUR" to conduct the syllabus and to grant degree or diplomas for which it shall be recognized or authorised as may be required under any other law for the time being in force.

रायपुर, दिनांक 29 जुलाई 2003

क्रमांक एफ-73-112/उ. शि./03/38.—छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा के विस्तार हेतु राज्य सरकार एतद्द्वारा छत्तीसगढ़ राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से एक विश्वविद्यालय को स्थापित करती है जो "थामथ यूनिवर्सिटी, रायपुर" कहलायेगा एवं इस विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में होगा.

1. इस विश्वविद्यालय का मुख्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़) में होगा.
2. राज्य शासन एतद्द्वारा "थामथ यूनिवर्सिटी, रायपुर" को ऐसे पाठ्यक्रमों के संचालन एवं उपाधि, पत्रोपाधि एवं सम्मान देने की अधिकारिता प्रदान करता है, जिन्हें कि तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य नियमों के अन्तर्गत यदि आवश्यक है, तो विश्वविद्यालय ने मान्यता अथवा अधिकारिता प्राप्त कर ली हो.

Raipur, the 29th July 2003

No. F-73-112/H E/03/38.—In exercise of the powers conferred in Sub-section (1) of Section 5 of the Chhattisgarh Nizi Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapna Aur Viniyaman) Adhiniyam, 2002 (No. 2 of 2002) for extension of Higher/ Technical Education in Chhattisgarh, hereby, establishes a university known as "THAMATH UNIVERSITY, RAIPUR" with effect from the date of publication of this notification in the Chhattisgarh Gazette and the jurisdiction of the University shall extend over whole of Chhattisgarh.

1. The Head Office of the University shall be at Raipur (C.G.).
2. The State Government, hereby, authorises "THAMATH UNIVERSITY, RAIPUR " to conduct the syllabus and to grant degree or diplomas for which it shall be recognized or authorised as may be required under any other law for the time being in force.

रायपुर, दिनांक 1 अगस्त 2003

क्रमांक एफ-73-86/2003/उ. शि./38.—छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा के विस्तार हेतु राज्य सरकार एतद्द्वारा छत्तीसगढ़ राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से एक विश्वविद्यालय को स्थापित करती है जो ''आईएमई यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलोजी, रायपुर'' कहलायेगा एवं इस विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में होगा.

1. इस विश्वविद्यालय का मुख्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़) में होगा.

2. राज्य शासन एतद्द्वारा ''आईएमई यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलोजी, रायपुर'' को ऐसे पाठ्यक्रमों के संचालन एवं उपाधि, पत्रोपाधि एवं सम्मान देने की अधिकारिता प्रदान करता है, जिन्हें कि तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य नियमों के अन्तर्गत यदि आवश्यक है, तो विश्वविद्यालय ने मान्यता अथवा अधिकारिता प्राप्त कर ली हो.

Raipur, the 1st August 2003

No. F-73-86/2003/ H E/38.—In exercise of the powers conferred in Sub-section (1) of Section 5 of the Chhattisgarh Nizi Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapna Aur Viniyaman) Adhiniyam, 2002 (No. 2 of 2002) for extension of Higher/ Technical Education in Chhattisgarh, hereby, establishes a university known as "IME UNIVERSITY OF TECHNO LOGY, RAIPUR" with effect from the date of publication of this notification in the Chhattisgarh Gazette and the jurisdiction of the University shall extend over whole of Chhattisgarh.

1. The Head Office of the University shall be at Bilaspur (C.G.).

2. The State Government, hereby, authorises "ANKUR UNIVERSITY, BILASPUR " to conduct the syllabus and to grant degree or diplomas for which it shall be recognized or authorised as may be required under any other law for the time being in force.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. सी. सिन्हा, सचिव.

रायपुर, दिनांक 22 जुलाई 2003

क्रमांक एफ-73-87/2003/उ. शि./38.—छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा के विस्तार हेतु राज्य सरकार एतद्द्वारा छत्तीसगढ़ राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से एक विश्वविद्यालय को स्थापित करती है जो ''कावा ग्लोबल विश्वविद्यालय, रायपुर'' कहलायेगा एवं इस विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में होगा.

1. इस विश्वविद्यालय का मुख्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़) में होगा.

2. राज्य शासन एतद्द्वारा ''कावा ग्लोबल विश्वविद्यालय, रायपुर'' को ऐसे पाठ्यक्रमों के संचालन एवं उपाधि, पत्रोपाधि एवं सम्मान देने की अधिकारिता प्रदान करता है, जिन्हें कि तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य नियमों के अन्तर्गत यदि आवश्यक है, तो विश्वविद्यालय ने मान्यता अथवा अधिकारिता प्राप्त कर ली हो.

Raipur, the 22nd July 2003

No. F-73-87/2003/ H E/38.—In exercise of the powers conferred in Sub-section (1) of Section 5 of the Chhattisgarh Nizi Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapna Aur Viniyaman) Adhiniyam, 2002 (No. 2 of 2002) for extension of Higher/ Technical Education in Chhattisgarh, hereby, establishes a university known as "KAWA GLOBAL UNIVERSITY RAIPUR" with effect from the date of publication of this notification in the Chhattisgarh Gazette and the jurisdiction of the University shall extend over whole of Chhattisgarh.

1. The Head Office of the University shall be at Raipur (C.G.).

2. The State Government, hereby, authorises "KAWA GLOBAL UNIVERSITY, RAIPUR" to conduct the syllabus and to grant degree or diplomas for which it shall be recognized or authorised as may be required under any other law for the time being in force.

रायपुर, दिनांक 1 अगस्त 2003

क्रमांक एफ-73-67/2003/उ. शि./38.—छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा के विस्तार हेतु राज्य सरकार एतद्द्वारा छत्तीसगढ़ राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से एक विश्वविद्यालय को स्थापित करती है जो ''तस्मक विश्वविद्यालय, रायपुर'' कहलायेगा एवं इस विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में होगा.

1. इस विश्वविद्यालय का मुख्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़) में होगा.

2. राज्य शासन एतद्द्वारा ''तस्मक विश्वविद्यालय, रायपुर'' को ऐसे पाठ्यक्रमों के संचालन एवं उपाधि, पत्रोपाधि एवं सम्मान देने की अधिकारिता प्रदान करता है, जिन्हें कि तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य नियमों के अन्तर्गत यदि आवश्यक है, तो विश्वविद्यालय ने मान्यता अथवा अधिकारिता प्राप्त कर ली हो.

Raipur, the 1st August 2003

No. F-73-67/2003/ H E/38.—In exercise of the powers conferred in Sub-section (1) of Section 5 of the Chhattisgarh Nizi Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapna Aur Viniyaman) Adhiniyam, 2002 (No. 2 of 2002) for extension of Higher/ Technical Education in Chhattisgarh, hereby, establishes a university known as "TASMAC UNIVERSITY, RAIPUR" with effect from the date of publication of this notification in the Chhattisgarh Gazette and the jurisdiction of the University shall extend over whole of Chhattisgarh.

1. The Head Office of the University shall be at Raipur (C.G.).

2. The State Government, hereby, authorises "TASMAC UNIVERSITY, RAIPUR " to conduct the syllabus and to grant degree or diplomas for which it shall be recognized or authorised as may be required under any other law for the time being in force.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
सी. एस. डेहरे, अवर सचिव.

रायपुर, दिनांक 25 जून 2003

क्रमांक एफ-73-66/2003/उ. शि./38.—छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा के विस्तार हेतु राज्य सरकार एतद्द्वारा छत्तीसगढ़ राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से एक विश्वविद्यालय को स्थापित करती है जो ''राजीव गांधी टेक्नीकल यूनिवर्सिटी, दुर्ग'' कहलायेगा एवं इस विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में होगा.

1. इस विश्वविद्यालय का मुख्यालय दुर्ग (छत्तीसगढ़) में होगा.

2. राज्य शासन एतद्द्वारा ''राजीव गांधी टेक्नीकल यूनिवर्सिटी'' को ऐसे पाठ्यक्रमों के संचालन एवं उपाधि, पत्रोपाधि एवं सम्मान देने की अधिकारिता प्रदान करता है, जिन्हें कि तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य नियमों के अन्तर्गत यदि आवश्यक है, तो विश्वविद्यालय ने मान्यता अथवा अधिकारिता प्राप्त कर ली हो.

Raipur, the 25th June 2003

No. F-73-66/2003/H E/38.—In exercise of the powers conferred in Sub-section (1) of Section 5 of the Chhattisgarh Nizi Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapna Aur Viniyaman) Adhiniyam, 2002 (No. 2 of 2002) for extension of Higher/ Technical Education in Chhattisgarh, hereby, establishes a university known as "RAJIV GANDHI TECHNICAL UNIVERSITY " with effect from the date of publication of this notification in the Chhattisgarh Gazette and the jurisdiction of the University shall extend over whole of Chhattisgarh.

1. The Head Office of the University shall be at Durg (C.G.).

2. The State Government, hereby, authorises "RAJIV GANDHI TECHNICAL UNIVERSITY " to conduct the syllabus and to grant degree or diplomas for which it shall be recognized or authorised as may be required under any other law for the time being in force.

रायपुर, दिनांक 8 अगस्त 2003

क्रमांक 3541/एफ-73-100/2003/उ. शि./38.—छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए, छत्तीसगढ़ में उच्च शिक्षा/तकनीकी शिक्षा के विस्तार हेतु राज्य सरकार एतद्द्वारा छत्तीसगढ़ राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से एक विश्वविद्यालय को स्थापित करती है जो "स्वामी विवेकानंद यूनिवर्सिटी आफ साइंस एन्ड टेक्नालाजी, रायपुर" कहलायेगा एवं इस विश्वविद्यालय का क्षेत्राधिकार संपूर्ण छत्तीसगढ़ राज्य में होगा.

1. इस विश्वविद्यालय का मुख्यालय रायपुर (छत्तीसगढ़) में होगा.

2. राज्य शासन एतद्द्वारा "स्वामी विवेकानंद यूनिवर्सिटी आफ साइंस एन्ड टेक्नालाजी, र.ापुर" को ऐसे पाठ्यक्रमों के संचालन एवं उपाधि, पत्रोपाधि एवं सम्मान देने की अधिकारिता प्रदान करता है, जिन्हें कि तत्समय प्रवृत्त किसी अन्य नियमों के अन्तर्गत यदि आवश्यक है, तो विश्वविद्यालय ने मान्यता अथवा अधिकारिता प्राप्त कर ली हो.

Raipur, the 6th August 2003

No. 3541/F-73-100/2003/ H E/38.—In exercise of the powers conferred in Sub-section (1) of Section 5 of the Chhattisgarh Nizi Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapna Aur Viniyaman) Adhiniyam, 2002 (No. 2 of 2002) for extension of Higher/Technical Education in Chhattisgarh, hereby, establishes a university known as "SWAMI VIVEKANAND UNIVERSITY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, RAIPUR" with effect from the date of publication of this notification in the Chhattisgarh Gazette and the jurisdiction of the University shall extend over whole of Chhattisgarh.

1. The Head Office of the University shall be at Raipur (C.G.).

2. The State Government, hereby, authorises "SWAMI VIVEKANAND UNIVERSITY OF SCIENCE AND TECHNOLOGY, RAIPUR " to conduct the syllabus and to grant degree or diplomas for which it shall be recognized or authorised as may be required under any other law for the time being in force.

रायपुर, दिनांक 30 जुलाई 2003

क्रमांक एफ-73-78/2003/उ. शि./38.—राज्य शासन, छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 27 की उपधारा (3) के अधीन "इन्टरनेशनल यूनिवर्सिटी फॉर ह्यमंन ट्रान्सफार्मेशन", रायपुर के कुलपति द्वारा धारा 27 की उपधारा (2) के अधीन प्रस्तुत अध्यादेशों को सहमति प्रदान करती है तथा छत्तीसगढ़ निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय (स्थापना और विनियमन) अधिनियम, 2002 की धारा 27 की उपधारा (4) द्वारा दस (10) "प्रथम अध्यादेशों" को अनुमोदित करती है.

ये अध्यादेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे.

Raipur, the 30th July 2003

No. F-73-78/2003/ H E/38.—State Government gives consent under Sub-section (3) of Section 27 of the Chhattisgarh Private Universities Act (Sthapana Aur Viniyaman) Act, 2002 to the Ordinances submitted under Sub-section (2) of Section 27 by the Vice Chancellor of "International University for Human Transformation" Raipur and approves the ten (10) "First Ordinances" by Sub-section (4) of Section 27 of the Chhattisgarh Private Universities Act (Sthapana Aur Viniyaman) Act, 2002.

These Ordinances shall come into effect from the date of publication in the Gazette.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
सी. एस. डेहरे, अवर सचिव.

INTERNATIONAL UNIVERSITY FOR HUMAN TRANSFORMATION

[Established under Sub Section (1) of Section 5 of the Chhattisgarh Nizi Kshetra Vishwavidyalaya (Sthapana Aur Viniyaman) Adhiniyam 2002 Vide Gazette Notification No. F73-78/2003/HE/38 printed on 4th July, 2003 of the Government of Chhattisgarh]

FIRST ORDINANCE

Ordinance No. 1

Admission of Students to the University and their enrolment (Section 27 (1) (a) of the Adhiniyam)

1. In this Ordinance unless there is anything contrary to Statute and the Adhiniyam:

   (a) "Qualifying examination" means an examination, the passing of which makes a student eligible for admission to a particular course of study leading to Bachelor's or Post-Graduate or Research Degree or Diploma Certificate conferrable by the University.

   (b) "Equivalent examination" means an examination conducted by

   (i) any recognized board of Secondary Education, or

   (ii) any Indian or Foreign University recognized by this University as equivalent to its corresponding examination.

2. A student seeking admission to the University Teaching Department or Institutes/colleges affiliated/recognized by the University as its center or Study Centre shall on or before the date prescribed for submission of application for admission shall submit the duly filled application along with the fee of submission to the University or the Study Centre or the Institute/college as the case may be.

3. The application of admission shall be accompanied by

   (i) Evidence of Birth Certificate.

   (ii) Character certificate from the Principal of School / College last attended.

   (iii) True copy of the Marks Statement of the Qualifying Examination.

   (iv) Certificate of caste / nationality, wherever required issued by the competent authority as prescribed by the State Government.

   (v) Fee prescribed for the course.

4. The applicant shall also provide an undertaking that on being admitted he/she shall furnish the transfer certificate or Migration certificate within 2 months of the admission or latest by September 30 of the same year failing which the admission shall be liable to be cancelled. Any extension of time can be given only with the written approval of the Vice-Chancellor.

5. No student who has passed a part of any degree or post graduate examination from another University shall be admitted to subsequent higher class for such examination in any Campus/institution/center without its equivalence and approval from the Vice – Chancellor.

6. No person who is under sentence of rustication or has been disqualified from appearing from any other University / Institution shall be admitted to any course of study in this University and its institutions / center during the period of rustication or disqualification.

7. The admission of the students shall be completed by as per the dates mentioned in the Academic Calendar of the University. Provided that where the last date is a holiday, the next working day will be the last date for admission.

   Admission will be offered twice in an academic year viz. Autumn Session and Spring Session or as prescribed by the Academic Council.

   Provided further that Vice – Chancellor shall have the power to grant admission in case of genuine hardship beyond the last date of admission as given above, on the clear understanding that the attendance of all such students shall be counted from the commencement of the course.

8. The student shall be enrolled as a member of the University as soon as he / she is admitted and pays all the fee together with the prescribed fee for enrolment and submits migration certificate where it is needed.

   Provided that a student is admitted after the commencement of the session, he/she shall be required to pay all the fees and dues from the beginning of the academic session.

9. The reservation of seats for SC / ST / OBC / Foreign Student / NRI and other categories shall be as provided as per the rules framed in this regard by the Board of Management.

Ordinance No. 2

The Courses of study to be laid down for all degrees, diplomas and certificates of the University
(section 27 (1) (b) of the Adhiniyam)

1. There shall be a Board of Study for every subject or group of subjects as may be decided by the Academic Council.

2. (1) Each Board shall consist of:

    (i) Professor(s) of the University Teaching Department(s) of the subject or group of subjects for which Board is constituted.

    (ii) One Reader of the University Teaching Department of the subject or group of subjects for which the Board is constituted to be nominated by the Vice-Chancellor by rotation in order of seniority or otherwise.

    (iii) Two teachers teaching the said subject(s) at the centers of the University up to Post-Graduate level to be nominated by the Vice-Chancellor by rotation according to seniority or otherwise.

    Provided that if the Board is constituted for a group of subjects in nominating members under (ii) and (iii) above, care shall be taken to nominate such persons that all the subjects of the group are represented.

    (iv) The board shall co-opt two experts of the subject. In case where the board is constituted for a group of subjects, the board shall co-opt one expert from each subject and then the number of Co-opted member shall be equal to the number of subjects for which the board is constituted.

   (2) The Vice Chancellor shall be the Chairman of the Board/s of Study.

   (3) The term of the board shall be three years.

3. Each Board shall lay down the detailed curriculum for the subject leading to a Certificate, Diploma, Graduate Degree, or Post-Graduate Degree.

4. It shall also identify the standard books and other materials, which may be consulted for preparing the courses laid down for each subject leading to Certificate, Diploma, Graduate Degree, or Post-Graduate Degree.

5. The Academic Council shall decide the subjects to be undertaken for various Certificates, Diplomas and Degrees by the University.

Ordinance No. 3

The award of Degrees, Diplomas, Certificates and other academic distinctions.
(section 27 (1) (c) of the Adhiniyam)

1. The candidate after passing the examination prescribed for a particular Certificate / Diploma and Degree shall be eligible for the award of Certificate / Diploma / Degree respectively.

2. The Registrar shall place the names of all candidates who have been examined and found qualified for the award of Certificate / Diploma / Degree before the Academic council soon after the declaration of the result.. On being approved by the Academic council the Certificates / Diplomas / Degrees shall be issued to the respective candidates by the Registrar.

3. The Certificates and Diplomas shall be sighed by the Registrar.

4. The approval for the award of respective degrees made by the academic council shall be placed before the board of Management for its approval. On being approved by the Board of Management the Degree shall be awarded to the candidate in the Convocation.

   Provided that if the candidate is in urgent need of the degree and the convocation is likely to be delayed, the degree can be given to him / her by the Vice-Chancellor on Payments of Rs.500/- or the fee as may be prescribed by the University from time to time for early award of degree.

   Provided also that no degree shall be given to any candidate before approval by the Board of Management.

5. Degrees / Diplomas / Certificates conferred by the University shall be as follows: -

I Faculty of Information Technology

Sl. No.	Abbreviation of Degree/ Diploma/Certificate	Explanation of Degree
1.	DDCN	Diploma in Data Communication & Networking
2.	DH	Diploma in Hardware
3.	DCL	Diploma in C Language
4.	DC++	Diploma in C++
5.	DIWPD	Diploma in Internet & Web Page Designing
6.	DJAVA	Diploma in JAVA
7.	DVB	Diploma in Visual Basic
8.	DDSTC&C++	Diploma in Data Structure through C & C++
9.	DDBMS	Diploma in Database Management System
10.	DSAD	Diploma in System Analysis and Design
11.	CCC	Certificate Course in Computers
12.	DIC	Diploma in Computing
13.	DIT	Diploma in Information Technology
14.	DSE	Diploma in Software Engineering
15.	BCA	Bachelor of Computer Applications
16.	B. Sc. (Comp. Sc.)	Bachelor of Science (Computer Science)

17.	B. E. (E & T)	Bachelor of Engineering in Electronics & Telecommunication
18.	B. Tel. E.	Bachelor of Telecommunication Engineering
19.	B. Tech. (IT)	Bachelor of Technology (Information Technology)
20.	PGDIC	Post Graduate Diploma in Computing
21.	PGDIT	Post Graduate Diploma in Information Technology
22.	PGDSE	Post Graduate Diploma in Software Engineering
23.	PGDCA	Post Graduate Diploma in Computer Applications
24.	M. Sc. (Comp. Sc.)	Master of Science (Computer Science)
25.	MCA	Master of Computer Applications
26.	MCA (Integrated)	Master of Computer Applications Five Year Integrated (after 10+2)
27.	M. Tech. (IT)	Master of Technology (Information Technology)
28.	Ph. D.	Doctor in Philosophy

II Faculty of Management Studies

Sl. No.	Abbreviation of Degree/ Diploma/Certificate	Explanation of Degree
1.	DAM	Diploma in Agricultural Marketing
2.	DPM	Diploma in Pharmaceutical Marketing
3.	DEDP	Diploma in Export Documentation & Procedures
4.	DS	Diploma in Sales
5.	DSM	Diploma in Salesforce Management
6.	DD	Diploma in Distribution
7.	DMR	Diploma in Market Research
8.	DPR	Diploma in Public Relations
9.	DCRM	Diploma in Customer Relationship Management
10.	DA	Diploma in Advertising
11.	DMP	Diploma in Media Planning
12.	DSM	Diploma in Service Marketing
13.	DRM	Diploma in Rural Marketing
14.	DIM	Diploma in International Marketing
15.	Dip.LL	Diploma in Labour Laws
16.	DP	Diploma in Packaging
17.	DBA	Diploma in Business Administration
18.	DCAM	Diploma in Computer Aided Management
19.	DF&IA	Diploma in Finance and Investment Analysis
20.	DBA (II)	Diploma in Business Administration (Industry Integrated)
21.	DHRM	Diploma in Human Response Management
22.	DIBM	Diploma in International Business Management
23.	DMM	Diploma in Marketing Management
24.	Dip.ED	Diploma in Entrepreneurship Development
25.	Dip.NM	Diploma in Network Marketing
26.	Dip.BM	Diploma in Business Management
27.	DPS	Diploma in Professional Studies
28.	DIM	Diploma in Insurance Management
29.	DCM	Diploma in Co-operative Management
30.	DBPO	Diploma in Business Process Outsourcing
31.	BBA	Bachelor of Business Administration
32.	BBA (CAM)	Bachelor of Business Administration (Computer Aided Management)
33.	BBA (F & IA)	Bachelor of Business Administration (Finance and Investment Analysis)
34.	BBA (II)	Bachelor of Business Administration (Industry Integrated)
35.	BBA (HRM)	Bachelor of Business Administration (Human Response Management)

36.	BBA (IBM)	Bachelor of Business Administration (International Business Management)
37.	BBA (MM)	Bachelor of Business Administration (Marketing Management)
38.	BBA (ED)	Bachelor of Business Administration (Entrepreneurship Development)
39.	BBA (NM)	Bachelor of Business Administration (Network Marketing)
40.	BBA (RM)	Bachelor of Business Administration (Rural Marketing)
41.	BBA (PM)	Bachelor of Business Administration (Pharmaceutical Marketing)
42.	BBA (AM)	Bachelor of Business Administration (Agricultural Marketing)
43.	BBM	Bachelor of Business Management
44.	BPS	Bachelor of Professional Studies
45.	BBA (IM)	Bachelor of Business Administration (Insurance Management)
46.	BBA (CM)	Bachelor of Business Administration (Co-operative Management)
47.	BBA (BPO)	Bachelor of Business Administration (Business Process Outsourcing)
48.	B. Com. (Hons.)	Bachelor of Commerce (Hons.)
49.	B. Com. (Pass)	Bachelor of Commerce (Pass)
50.	PGDBA	Post Graduate Diploma in Business Administration
51.	PGDCAM	Post Graduate Diploma in Computer Aided Management
52.	PGDF&IA	Post Graduate Diploma in Finance and Investment Analysis
53.	PGDBA (II)	Post Graduate Diploma in Business Administration (Industry Integrated)
54.	PGDHRM	Post Graduate Diploma in Human Response Management
55.	PGDIBM	Post Graduate Diploma in International Business Management
56.	PGDMM	Post Graduate Diploma in Marketing Management
57.	PGDFM	Post Graduate Diploma in Financial Management
58.	PGDED	Post Graduate Diploma in Entrepreneurship Development
59.	PGDNM	Post Graduate Diploma in Network Marketing
60.	PGDPM	Post Graduate Diploma in Production Management
61.	PGDSCM	Post Graduate Diploma in Supply Chain Management
62.	PGDECOM	Post Graduate Diploma in E Commerce
63.	PGDRM	Post Graduate Diploma in Rural Marketing
64.	PGDIM	Post Graduate Diploma in Insurance Management
65.	PGDCM	Post Graduate Diploma in Co-operative Management
66.	PGDPM	Post Graduate Diploma in Pharmaceutical Marketing
67.	PGDAM	Post Graduate Diploma in Agricultural Marketing
68.	PGDBPO	Post Graduate Diploma in Business Process Outsourcing
69.	MBA	Master of Business Administration
70.	MBA (CAM)	Master of Business Administration (Computer Aided Management)
71.	MBA (F & IA)	Master of Business Administration (Finance and Investment Analysis)
72.	MBA (II)	Master of Business Administration (Industry Integrated)
73.	MBA (HRM)	Master of Business Administration (Human Response Management)
74.	MBA (IBM)	Master of Business Administration (International Business Management)
75.	MBA (MM)	Master of Business Administration (Marketing Management)
76.	MBA (ED)	Master of Business Administration (Entrepreneurship Development)
77.	MBA (NM)	Master of Business Administration (Network Marketing)

78.	MBA (PM)	Master of Business Administration (Production Management)
79.	MBA (SCM)	Master of Business Administration (Supply Chain Management)
80.	MBA (E Commerce)	Master of Business Administration (E Commerce)
81.	MBM	Master of Business Management
82.	MBA (Integrated)	Master of Business Administration Five Year Integrated (after 10+2)
83.	MBA (Rural Marketing)	Master of Business Administration (Rural Marketing)
84.	MBA (IM)	Master of Business Administration (Insurance Management)
85.	MBA (CM)	Master of Business Administration (Co-operative Management)
86.	MBA (PM)	Master of Business Administration (Pharmaceutical Marketing)
87.	MBA (AM)	Master of Business Administration (Agricultural Marketing)
88.	MBA (BPO)	Master of Business Administration (Business Process Outsourcing)
89.	MPS	Master of Professional Studies
90.	M. Com.	Master of Commerce
91.	M. Phil.	Master of Philosophy
92.	Ph. D.	Doctor in Philosophy
93.	D. Litt.	Doctor of Literature

III Faculty of Bio-Informatics and Medical Technology

Sl. No.	Abbreviation of Degree/ Diploma/Certificate	Explanation of Degree
1.	Dip. Sc. (Bio-Technology)	Diploma in Science (Bio-Technology)
2.	Dip. Sc. (Bio-Informatics)	Diploma in Science (Bio-Informatics)
3.	Dip. Sc. (MLT)	Diploma in Science (Medical Laboratory Technology)
4.	Dip.PT	Diploma in Physiotherapy
5.	Dip.OT	Diploma in Occupational Therapy
6.	B. Sc. (Bio-Technology)	Bachelor of Science (Bio-Technology)
7.	B. Sc. (Bio-Informatics)	Bachelor of Science (Bio-Informatics)
8.	B. Sc. (MLT)	Bachelor of Science (Medical Laboratory Technology)
9.	BPT	Bachelor of Physiotherapy
10.	BOT	Bachelor of Occupational Therapy
11.	B. Tech. (Bio-Technology)	Bachelor of Technology in (Bio-Technology)
12.	B. Tech. (Bio-Informatics)	Bachelor of Technology in (Bio-Informatics)
13.	PGDBT	Post Graduate Diploma in Bio-Technology
14.	PGDBI	Post Graduate Diploma in Bio-Informatics
15.	PGDMLT	Post Graduate Diploma in Medical Laboratory Technology
16.	PGDPT	Post Graduate Diploma in Physiotherapy
17.	M. Sc. (Bio-Technology)	Master of Science (Bio-Technology)
18.	M. Sc. (Bio-Informatics)	Master of Science (Bio-Informatics)
19.	M. Sc. (MLT)	Master of Science (Medical Laboratory Technology)
20.	MPT	Master of Physiotherapy
21.	MOT	Master of Occupational Therapy
22.	M. Tech.(Bio-Technology)	Master of Technology in Bio-Technology
23.	M. Tech. (Bio-Informatics)	Master of Technology in Bio-Informatics
24.	Ph. D.	Doctor in Philosophy

IV Faculty of Arts and Social Sciences

Sl. No.	Abbreviation of Degree/ Diploma/Certificate	Explanation of Degree
1.	CPPED	Certificate Programme in Preparatory for entry to degree
2.	Dip. A	Diploma in Arts

3.	D. Litt.	Diploma in Literature
4.	DFA	Diploma in Fine Arts
5.	DPA	Diploma in Performing Arts
6.	Dip. Music	Diploma in Music
7.	Dip. Dance	Diploma in Dance
8.	DOL	Diploma in Oriental Learning
9.	DLIS	Diploma in Library and Information Sciences
10.	DSW	Diploma in Social Work
11.	DRL	Diploma in Regional Language
12.	B A	Bachelor of Arts
13.	B. Litt.	Bachelor of Literature
14.	BFA	Bachelor of Fine Arts
15.	BPA	Bachelor of Performing Arts
16.	B. Music	Bachelor of Music
17.	B. Dance	Bachelor of Dance
18.	BOL	Bachelor of Oriental Learning
19.	BLIS	Bachelor of Library and Information Sciences
20.	BSW	Bachelor of Social Work
21.	PGDA	Post Graduation Diploma in Arts
22.	PGD Dance	Post Graduation Diploma in Dance
23.	PGD Music	Post Graduation Diploma in Music
24.	PGDOL	Post Graduation Diploma in Oriental Learning
25.	PGDFA	Post Graduation Diploma in Fine Arts
26.	PGDPA	Post Graduation Diploma in Performing Arts
27.	PGDPS	Post Graduation Diploma in Population Studies
28.	PGDLIS	Post Graduation Diploma in Library and Information Sciences
29.	PGDSW	Post Graduation Diploma in Social Work
30.	PGD Litt.	Post Graduation Diploma in Literature
31.	PGDE	Post Graduate Diploma in English
32.	HSV	Hindi Shiksha Visharad
33.	MA	Master of Arts
34.	MA (History)	Master of Arts (History)
35.	MA (Political Science)	Master of Arts (Political Science)
36.	MA (Economics)	Master of Arts (Economics)
37.	MA (Sociology)	Master of Arts (Sociology)
38.	MA (Human Rights)	Master of Arts in Human Rights
39.	MA (Social Anthropology)	Master of Arts in Social Anthropology
40.	M. Dance	Master of Dance
41.	M. Music	Master of Music
42.	MOL	Master of Oriental Learning
43.	MFA	Master of Fine Arts
44.	MPA	Master of Performing Arts
45.	MPS	Master of Population Studies
46.	MLIS	Master of Library and Information Sciences
47.	MSW	Master of Social Work
48.	M. Ind.	Master of Indology
49.	Samaj Karya Parangat	Samaj Karya Parangat
50.	Samaj Vidya Parangat	Samaj Vidya Parangat
51.	Samaj Vidya Visharad	Samaj Vidya Visharad
52.	Shastri	Shastri
53.	Shikshan Parangat	Shikshan Parangat
54.	Shikshan Visharad	Shikshan Visharad
55.	Shikshan Shastri	Shikshan Shastri

56.	Vachaspati	Vachaspati
57.	Vidya Praveena	Vidya Praveena
58.	Vidya Vachaspati	Vidya Vachaspati
59.	VidyaVaridhi	VidyaVaridhi
60.	Anu Parangat	M. Phil.
61.	M. Litt.	Master of Literature
62.	M. Phil.	Master of Philosophy
63.	Ph. D.	Doctor in Philosophy
64.	Ayurveda Vachaspati	Ph. D. in Ayurveda
65.	D. Music.	Doctor of Music
66.	DOL	Doctor of Oriental Learning
67.	D. Litt.	Doctor of Literature

V Faculty of Agricultural Sciences

Sl. No.	Abbreviation of Degree/ Diploma/Certificate	Explanation of Degree
1.	CPMC	Certificate Programme in Mushroom Cultivation
2.	Dip. Sc. (Agriculture)	Diploma in Science (Agriculture)
3.	D. Agri	Diploma in Agriculture
4.	D. Sc. (Sericulture)	Diploma in Science (Sericulture)
5.	B. Sc. (Agriculture)	Bachelor of Science (Agriculture)
6.	B. Sc. (Horticulture)	Bachelor of Science (Horticulture)
7.	B. Sc. (Genetics & Plant Breeding)	Bachelor of Science (Genetics & Plant Breeding)
8.	B. Agri	Bachelor of Agriculture
9.	B. Sc. (Sericulture)	Bachelor of Science (Sericulture)
10.	PGD Sc. (Agriculture)	Post Graduate Diploma in Science (Agriculture)
11.	PGD Sc. (Horticulture)	Post Graduate Diploma in Science (Horticulture)
12.	PGD Sc. (Genetics & Plant Breeding)	Post Graduate Diploma in Science (Genetics & Plant Breeding)
13.	M. Sc. (Agriculture)	Master of Science (Agriculture)
14.	M. Sc. (Horticulture)	Master of Science (Horticulture)
15.	M. Sc. (Genetics & Plant Breeding)	Master of Science (Genetics & Plant Breeding)
16.	M. Sc. (Sericulture)	Master of Science (Sericulture)

VI Faculty of Environmental Sciences

Sl. No.	Abbreviation of Degree/ Diploma/Certificate	Explanation of Degree
1.	DES	Diploma in Environmental Science
2.	DWRM	Diploma in Water Resource Management
3.	DERM	Diploma in Environmental Resource Management
4.	B. Sc. (Environmental Science)	Bachelor of Science (Environmental Science)
5.	B. Sc. (Water Resource Management)	Bachelor of Science (Water Resource Management)
6.	B. Sc. (ERM)	Bachelor of Science (Environmental Resource Management)
7.	PGDES	Post Graduate Diploma in Environmental Science
8.	PGDWRM	Post Graduate Diploma in Water Resource Management
9.	PGDERM	Post Graduate Diploma in Environmental Resource Management
10.	M. Sc. (Environmental Science)	Master of Science (Environmental Science)
11.	M. Sc. (Water Resource Management)	Master of Science (Water Resource Management)

12.	M. Sc. (ERM)	Master of Science (Environmental Resource Management)
VII	**Faculty of Engineering**	
Sl. No.	**Abbreviation of Degree/ Diploma/Certificate**	**Explanation of Degree**
1.	CPGT	Certificate Programme in Gardener's Training
2.	CPEV (Plumber)	Certificate Programme in Engineering Vocation: Plumber
3.	CPEV (Fitter-G)	Certificate Programme in Engineering Vocation: Fitter (General)
4.	CPEV (TW-Mechanics)	Certificate Programme in Engineering Vocation: Two Wheeler Mechanics
5.	CPEV (Domestic Wireman)	Certificate Programme in Engineering Vocation: : Domestic Wireman
6.	CPEV (Lathe Operator)	Certificate Programme in Engineering Vocation: Lathe Operator
7.	CPEV (Radio & Tape-Recorder)	Certificate Programme in Engineering Vocation: Radio & Tape-Recorder
8.	CPIPT (Fitter-G)	Certificate Programme in Industrial Painting Technician
9.	CPEV (Mason)	Certificate Programme in Engineering Vocation: Mason
10.	D. Arch.	Diploma in Architecture
11.	D. E.	Diploma in Engineering
12.	DME	Diploma in Mechanical Engineering
13.	DCE	Diploma in Civil Engineering
14.	D. Ch. E.	Diploma in Chemical Engineering
15.	D. Chem. Tech.	Diploma in Chemical Technology
16.	DEE	Diploma in Electrical Engineering
17.	D. Text.	Diploma in Textiles
18.	D. Tech.	Diploma in Technology
19.	B. Arch.	Bachelor of Architecture
20.	B. E.	Bachelor of Engineering
21.	B.E. (Dairy Technology)	Bachelor of Engineering in Dairy Technology
22.	BME	Bachelor of Mechanical Engineering
23.	BCE	Bachelor of Civil Engineering
24.	B. E.	Bachelor of Engineering (Construction Management)
25.	B. Ch. E.	Bachelor of Chemical Engineering
26.	B. Chem. Tech.	Bachelor of Chemical Technology
27.	BEE	Bachelor of Electrical Engineering
28.	B. Text.	Bachelor of Textiles
29.	B. Tech.	Bachelor of Technology
30.	B.E.A.	Bachelor of Engineering in Aeronautics
31.	B.E.N.	Bachelor of Engineering in Naval
32.	B.E.M.	Bachelor of Engineering in Marine
33.	PGD Arch.	Post Graduate Diploma in Architecture
34.	PGD E.	Post Graduate Diploma in Engineering
35.	PGD Tech.	Post Graduate Diploma in Technology
36.	PGD Ch. E.	Post Graduate Diploma in Chemical Engineering
37.	PGD Chem. Tech.	Post Graduate Diploma in Chemical Technology
38.	PGDME	Post Graduate Diploma in Mechanical Engineering
39.	PGD Plan.	Post Graduate Diploma in Planning
40.	PGD Text.	Post Graduate Diploma in Textiles
41.	PGDEE	Post Graduate Diploma in Electrical Engineering
42.	PGDCSM	Post Graduate Diploma in Construction Safety Management
43.	PGDCM	Post Graduate Diploma in Construction Management
44.	M. E. (Construction Management)	Master of Engineering (Construction Management)

45.	M. E. (Civil Engineering)	Master of Engineering (Civil Engineering)
46.	M. Arch.	Master of Architecture
47.	M. E.	Master of Engineering
48.	M. Tech.	Master of Technology
49.	M. Ch. E.	Master of Chemical Engineering
50.	M. Chem. Tech.	Master of Chemical Technology
51.	MME	Master of Mechanical Engineering
52.	M. Plan.	Master of Planning
53.	M. Text.	Master of Textiles
54.	MEE	Master of Electrical Engineering

VIII Faculty of Law

Sl. No.	Abbreviation of Degree/ Diploma/Certificate	Explanation of Degree
1.	Dip. L	Diploma in Laws
2.	DLB	Diploma in Law
3.	DCL	Diploma in Civil Law
4.	DGL	Diploma in General Law
5.	B L	Bachelor of Laws (Integrated Course 5 Years after 10+2)
6.	LLB	Bachelor of Law or laws
7.	BCL	Bachelor of Civil Law
8.	BGL	Bachelor of General Law
9.	PGDL	Post Graduate Diploma in Laws
10.	PGDLL	Post Graduate Diploma in Law of Laws
11.	M L	Master of Laws
12.	LLM	Master of Law of Laws
13.	DL	Doctor of Law
14.	LLD	Doctor of Law of Laws

IX Faculty of Education

Sl. No.	Abbreviation of Degree/ Diploma/Certificate	Explanation of Degree
1.	Dip. T	Diploma in Training
2.	D.A.D.Ed.	Diploma in Arts and Diploma in Education
3.	D.Com. D.Ed.	Diploma in Commerce and Diploma in Education
4.	D.Sc. D.Ed.	Diploma in Science and Diploma in Education
5.	DP. Ed.	Diploma in Physical Education and Diploma in Education
6.	B. Ed.	Bachelor of Education
7.	BT	Bachelor of Training
8.	B.A.B.Ed.	Bachelor of Arts and Bachelor of Education
9.	B.Com. B.Ed.	Bachelor of Commerce and Bachelor of Education
10.	B.Sc. B.Ed.	Bachelor of Science and Bachelor of Education
11.	BP. Ed.	Bachelor of Physical Education and Bachelor of Education
12.	PGDEd.	Post Graduate Diploma in Education
13.	PGDP.Ed.	Post Graduate Diploma in Physical Education
14.	M. Ed.	Master of Education
15.	MP. Ed.	Master of Physical Education
16.	Shiksha Acharya	Shiksha Acharya
17.	Vidya Nishnant	Vidya Nishnant
18.	Vidyalankar	Vidyalankar
19.	Visharad	Visharad
20.	TTP (In Service)	Teacher's Training Programme (In Service)
21.	D. Ed.	Doctor of Education

X Faculty of Science and Applied Sciences

Sl. No.	Abbreviation of Degree/ Diploma/Certificate	Explanation of Degree
1.	Dip. Sc.	Diploma in Science
2.	Dip.S. Sc.	Diploma in Sanitary Science
3.	Dip. F. Sc.	Diploma in Fisheries Science
4.	Dip. V. Sc.	Diploma in Veterinary Science
5.	Dip. V. Sc. & A. H.	Diploma in Veterinary Science & Animal Husbandry
6.	D. Stat.	Diploma in Statistics
7.	B. Sc.	Bachelor of Science
8.	B.S. Sc.	Bachelor of Sanitary Science
9.	B. F. Sc.	Bachelor of Fisheries Science
10.	B. V. Sc.	Bachelor of Veterinary Science
11.	B. V. Sc. & A. H.	Bachelor of Veterinary Science & Animal Husbandry
12.	B. Stat.	Bachelor of Statistics
13.	PGD Sc.	Post Graduate Diploma in Science
14.	PGDF. Sc.	Post Graduate Diploma in Fisheries Science
15.	PGD V. Sc.	Post Graduate Diploma in Veterinary Science
16.	PGD V. Sc. & A. H.	Post Graduate Diploma in Veterinary Science & Animal Husbandry
17.	PGD. Stat.	Post Graduate Diploma in Statistics
18.	M. Sc.	Master of Science
19.	M. Sc. (Microbiology)	Master of Science in Microbiology
20.	MF. Sc.	Master of Fisheries Science
21.	M. V. Sc.	Master of Veterinary Science
22.	M. V. Sc. & A. H.	Master of Veterinary Science & Animal Husbandry
23.	M. Stat.	Master of Statistics
24.	D. Sc.	Doctor of Science
25.	D. Hy.	Doctor of Hygiene

XI Faculty of Home Science

Sl. No.	Abbreviation of Degree/ Diploma/Certificate	Explanation of Degree
1.	D. H. Sc.	Diploma in Home Science
2.	B. Sc. (H. Sc.)	Bachelor of Science in Home Science
3.	PGDH. Sc.	Post Graduate Diploma in Home Science
4.	M. Sc. (H. Sc.)	Master of Science in Home Science
5.	M. Phil.	Master of Philosophy
6.	Ph. D.	Doctor of Philosophy

XII Faculty of Oriental Medicine

Sl. No.	Abbreviation of Degree/ Diploma/Certificate	Explanation of Degree
1.	BIM	Bachelor of Indian Medicine
2.	BAM	Bachelor of Ayurvedic Medicine
3.	BAMS	Bachelor of Ayurvedic Medicine & Surgery
4.	B. Nat (Ayu)	Bachelor of Ayurved in Naturopathy
5.	B. Pharm (Ayu)	Bachelor of Ayurved in Pharmacy
6.	BSMS	Bachelor of Sidha Medicine
7.	BHMS	Bachelor of Homeopathic Medicine
8.	BUMS	Bachelor of Unani Medicine
9.	AMBS	Ayurvedacharya Bachelor of Medicine & Surgery
10.	Acharya	Acharya
11.	Alankar	Alankar

12.	Ayurvedacharya	Ayurvedacharya
13.	MSAM	Master of Ayurved in Medicine & Surgery
14.	D. Ay. M.	Doctor of Ayurvedic Medicine

XIII Faculty of Physical Education

Sl. No.	Abbreviation of Degree/ Diploma/Certificate	Explanation of Degree
1.	DPE	Diploma in Physical Education
2.	BPE	Bachelor of Physical Education
3.	PGDPE	Post Graduate Diploma in Physical Education
4.	MPE	Master of Physical Education

XIV Faculty of Medicine

Sly. No.	Abbreviation of Degree/ Diploma/Certificate	Explanation of Degree
1.	D. Sc.	Diploma in Science
2.	D.C.H.	Diploma in Child Health
3.	D.T.C.D.	Diploma in Tuberculosis & Chest Diseases
4.	D.O.M.S.	Diploma in Ophthalmology Medicine & Surgery
5.	D.C.P.	Diploma in Chemical Pathology
6.	DOS	Diploma in Oral Surgery
7.	DO	Diploma in Orthodontics
8.	DP	Diploma in Prosthodontics
9.	DCD	Diploma in Conservative Dentistry
10.	DOP	Diploma in Oral Pathology
11.	D.L.O.	Diploma in Laryngology and Octology
12.	D.G.O.	Diploma in Gynecology and Obstetrics
13.	D.A.	Diploma in Anesthesiology
14.	D. Orth.	Diploma in Orthopedics
15.	D.P.H.	Diploma in Public Health
16.	D.H.C. & S.	Diploma in Health Care & Services
17.	D.N.&D.	Diploma in Nutrition & Dietetics
18.	D. P. S. M.	Diploma in Pharma Sales Management
19.	D. H. I. T.	Diploma in Health Information Technology
20.	D. Pharm.	Diploma in Pharmacy
21.	D.H.C.S. & S.M.	Diploma in Health Care Systems & Services Management
22.	MBBS	Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery
23.	BDS	Bachelor of Dental Surgery
24.	BMBS	Bachelor of Medicine and Bachelor of Surgery
25:	B. Nurs.	Bachelor of Nursing.
26.	B. Sc. (Nursing)	Bachelor of Science in Nursing
27.	B. Pharma	Bachelor of Pharmacy
28.	MD	Master of Medicine
29.	MD-Medicine	Master of Medicine in Medicine
30.	MD-Pathology	Master of Medicine in Pathology
31.	MD-Microbiology	Master of Medicine in Microbiology
32.	MD-Radiology	Master of Medicine in Radiology
33.	MD-Pediatrics	Master of Medicine in Pediatrics
34.	MD-Pharmology	Master of Medicine in Pharmology
35.	MD-Bio-Chemistry	Master of Medicine in Bio-Chemistry
36.	MD-Ophthalmology	Master of Medicine in Ophthalmology
37.	MD- Anesthesia	Master of Medicine in Anesthesia
38.	MS	Master of Surgery
39.	MS-Surgery	Master of Surgery in Surgery

40.	MS- Obstetrics and Gynaeocology	Master of Surgery in Obstetrics and Gynaeocology
41.	MS-ENT	Master of Surgery in Ear, Nose and Throat
42.	MS-Ophthalmology	Master of Surgery in Ophthalmology
43.	MS-Anatomy	Master of Surgery in Anatomy
44.	MS-Orthopedics	Master of Surgery in Orthopedics
45.	MS-MCH	Master of Surgery in MCH
46.	MO	Master of Obstetrics and Gynaeocology
47.	M. Pharma	Master of Pharmacy
48.	MDS	Master of Dental Surgery
49.	DM	Doctor of Medicine
50.	DM-Cardiology	Doctor of Medicine in Cardiology
51.	DM-Neurology	Doctor of Medicine in Neurology
52.	DM-Haematology	Doctor of Medicine in Haematology

XV Faculty of Hospitality & Tourism Management

Sl. No.	Abbreviation of Degree/ Diploma/Certificate	Explanation of Degree
1.	D.B.& C.	Diploma in Bakery & Confectionery
2.	D.C.H.M.	Diploma in Cruise Hospitality Management
3.	D.F.& B.M.	Diploma in Food & Beverage Management
4.	D.F.O.M.	Diploma in Front Office Management
5.	D.H.C.R.	Diploma in Hospitality Customer Relations
6.	D.H.M.	Diploma in Hospitality Management
7.	D.I.R.C.	Diploma in Indian Regional Cuisine
8.	D.I.C.	Diploma in Institutional Catering
9.	D.I.C.	Diploma in International Cuisine
10.	D.R.&B.M.	Diploma in Restaurant & Bar Management
11.	D.A.H.M.	Diploma in Aviation Hospitality Management
12.	D.T.&T.	Diploma in Travel & Tourism
13.	D.C.A. (A.D.)	Diploma in Culinary Arts (Advanced Diploma)
14.	B.A. (Aviation/Cruise Hospitality Management)	Bachelor of Arts in Aviation/Cruise Hospitality Management
15.	B.A. (Air Hostess)	Bachelor of Arts in Air Hostess
16.	B.A. (Culinary Arts)	Bachelor of Arts in Culinary Arts
17.	B.A. (Hospitality and Hotel Administration)	Bachelor of Arts in Hospitality and Hotel Administration
18.	B.A. (Travel and Leisure Management)	Bachelor of Arts in Travel and Leisure Management
19.	B.A. (Hons.) I. H. M.	Bachelors of Arts Honours in International Hospitality Management
20.	PGDH&T	P.G. Diploma in Hospitality & Tourism
21.	MA (HM)	Master of Arts in Hospitality Management
22.	MA (TLM)	Master of Arts in Tourism and Leisure Management

XVI Faculty of Media & Mass Communication

Sl. No.	Abbreviation of Degree/ Diploma/Certificate	Explanation of Degree
1.	DAM	Diploma in Advertising Management
2.	DJ	Diploma in Journalism
3.	DRA&AM	Diploma in Radio Anchoring & Audio Management
4.	DTV A N&BR	Diploma in TVAnchoring, News-reading & Broadcast Reporting
5.	D F&T	Diploma in Film & Television
6.	DMI	Diploma in Moving Image

7.	DNLE	Diploma in Non-Linear Editing
8.	DPJ	Diploma in Photo Journalism
9.	DSWF&TV	Diploma in Script-Writing for Film & TV
10.	DAC	Diploma in Acting & Choreography
11.	DAR	Diploma in Advanced Reporting
12.	DAPR&CC	Diploma in Advertising, Public Relations & Corporate Communications
13.	DBM	Diploma in Brand Management
14.	DCS	Diploma in Culture Studies
15.	DPE&CJ	Diploma in Print, Electronic & Cyber Journalism
16.	DRC	Diploma in Rural Communication
17.	DTW	Diploma in Technical Writing
18.	DWJ	Diploma in Web Journalism
19.	BA (AD&PR)	Bachelor of Arts in Advertising & Public Relations
20.	BJ	Bachelor in Journalism
21.	BJ (MS)	Bachelor in Journalism (Media Studies).
22.	BA (A& C G)	Bachelor of Arts in Animation & Computer Graphics
23.	BA (F&TV P)	Bachelor of Arts in Film & TV Production
24.	BA (RP)	Bachelor of Arts in Radio Production
25.	BA (SP)	Bachelor of Arts in Still Photography
26.	BA (A&C)	Bachelor of Arts Acting & Choreography
27.	PGD (A&M)	Post Graduate Diploma in Animation & Multimedia
28.	PGD (MD&M)	Post Graduate Diploma in Multimedia Design & Management
29.	PGDJ	Post Graduate Diploma in Journalism
30.	MA (A&CG)	Master of Arts in Animation & Computer Graphics
31.	MJ	Master of Journalism
32.	MA (AD)	Master of Arts in Art Direction
33.	MA (CD)	Master of Arts in Costume Design
34.	MA (DC)	Master of Arts in Development Communication
35.	MA (F&TV P)	Master of Arts in Film & TV Production
36.	MA (MM)	Master of Arts in Media Management
37.	MA (RP)	Master of Arts in Radio Production
38.	MA (SP)	Master of Arts in Still Photography
39.	MA (VE)	Master of Arts in Video Editing
40.	MA (V)	Master of Arts in Videography
41.	MA (CS)	Master of Arts in Cinema Studies.
42.	MA (C)	Master of Arts in Cinematography
43.	MA (APR&CC)	Master of Arts in Advertising, Public Relations & Corporate Communications
44.	MA (BC)	Master of Arts in Brand Communication
45.	MA (CCM)	Master of Arts in Communication, Culture & Media
46.	MA (MC)	Master of Arts in Marketing Communication
47.	MA(MC)	Master of Arts in Mass Communication
48.	Ph. D.	Doctor in Philosophy
49.	D. Litt.	Doctor of Literature

XVII Faculty of Fashion Technology

Sl. No.	Abbreviation of Degree/ Diploma/Certificate	Explanation of Degree
1.	DBC&HS	Diploma in Beauty Care & Health Services
2.	DFD&RM	Diploma in Fashion Designing & Retail Management
3.	D FDI	Diploma in Fashion Designing for Industry
4.	DFM	Diploma in Fashion Management
5.	DFMP	Diploma in Fashion Marketing & Promotion

6.	DTD	Diploma in Textile Design
7.	DF&AD	Diploma in Fashion & Apparel Design
8.	BA (BC&HS)	Bachelor of Arts in Beauty Care & Health Services
9.	BA (Hons.) FD&RM	Bachelor of Arts (Hons.) Fashion Designing & Retail Management
10.	BA (Hons.) FDI	Bachelor of Arts (Hons.) Fashion Designing for Industry
11.	BA (Hons.) FM	Bachelor of Arts (Hons.) Fashion Management
12.	BA (Hons.) FMP	Bachelor of Arts (Hons.) Fashion Marketing & Promotion
13.	BA (Hons.) TD	Bachelor of Arts (Hons.) Textile Design
14.	BA (Hons.) F&AD	Bachelor of Arts (Hons) Fashion & Apparel Design
15.	PGDAPQC	Post Graduate Diploma in Apparel Production & Quality Control
16.	PGDCD	Post Graduate Diploma in Costume Design
17.	PGDFADT	Post Graduate Diploma in Fashion Accessory Design & Technology
18.	PGDFI	Post Graduate Diploma in Fashion Industry
19.	PGDFS&P	Post Graduate Diploma in Fashion Styling & Photography
20.	PGDPD&DFI	Post Graduate Diploma in Product Design & Development for Fashion Industry
21.	PGDT&FDM	Post Graduate Diploma in Textile & Fashion Design Management
22.	PGDTD	Post Graduate Diploma in Textile Design
23.	PGDFPD	Post Graduate Diploma in Fashion Portfolio Development
24.	PGDFD	Post Graduate Diploma in Fashion Development
25.	MA (APQC)	Master of Arts (Apparel Production & Quality Control)
26.	MA (CD)	Master of Arts (Costume Design)
27.	MA (FADT)	Master of Arts (Fashion Accessory Design & Technology)
28.	MA (FI)	Master of Arts (Fashion Industry)
29.	MA (FS&P)	Master of Arts (Fashion Styling & Photography)
30.	MA (PD&DFI)	Master of Arts (Product Design & Development for Fashion Industry)
31.	MA (T&FDM)	Master of Arts (Textile & Fashion Design Management)
32.	MA (TD)	Master of Arts (Textile Design)
33.	MA (FPD)	Master of Arts (Fashion Portfolio Development)
34.	MA (FD)	Master of Arts (Fashion Development)

XVIII Faculty of Performing Arts & Creative Education

Sl. No.	Abbreviation of Degree/ Diploma/Certificate	Explanation of Degree
1.	DG	Diploma in Guitar
2.	DP	Diploma in Piano
3.	DV	Diploma in Violin
4.	DAA	Diploma in Art Appreciation
5.	DGD	Diploma in Graphic Design
6.	DK	Diploma in Kathak
7.	DT	Diploma in Tabla
8.	DP	Diploma in Pakhawaj
9.	DS	Diploma in Sitar
10.	DV	Diploma in Vocal
11.	DWV	Diploma in Western Vocal
12.	DHV	Diploma in Hindustani Vocal
13.	BA (GD)	Bachelor of Arts (Graphic Design)
14.	BA (M)	Bachelor of Arts in Museology
15.	BA (FAP)	Bachelor of Arts in Fine Arts in Painting

16.	BA (FAPM)	Bachelor of Arts in Fine Arts in Print Making
17.	BA (FAS)	Bachelor of Arts in Fine Arts in Sculpture
18.	MA (GD)	Master of Arts (Graphic Design)
19.	MA (C)	Master of Arts in Conservation
20.	MA (M)	Master of Arts in Museology
21.	MA (VR)	Master of Arts in Visual Research
22.	MA (FAP)	Master of Arts in Fine Arts in Painting
23.	MA (FAPM)	Master of Arts in Fine Arts in Print Making
24.	MA (FAS)	Master of Arts in Fine Arts in Sculpture
25.	MA (FACC)	Master of Arts in Fine Arts in Critical Curation
26.	MA (FACHA)	Master of Arts in Fine Arts in Critical History in Art
27.	MA (FAM&HED)	Master of Arts in Fine Arts in Museum & Heritage Exhibition Design
28.	Ph. D.	Doctor in Philosophy
29.	D. Litt.	Doctor of Literature

The Doctoral, Post-Doctoral like D.Litt., and Research Programmes like M. Phil. shall be offered by all the departments wherever relevant.

Ordinance - 4

The condition of the Award of Fellowships and Scholarships (Section 27(1) (d) of the Adhiniyam)

1. (a) Every year in the month of July or in any other month prescribed by the Academic Council the University shall invite applications through a notification for the awards to be made.

   (b) All awards of fellowships, Research Scholarships and other Scholarships shall be made on the recommendation of a Committee consisting of –
   - (i) The Vice-chancellor - Chairman
   - (ii) Three Academicians appointed by the Chancellor
   - (iii) The Registrar - Member-Secretary

2. Subject to the general conditions applicable to all Fellowships and Research Scholarships as laid down in paragraph 4 below, the value, duration and conditions of award of University Grants commission Fellowships shall be such as are laid down by the University Grants Commission.

3. The value and duration of Scholarships/Fellowships instituted by the University shall be laid down by the Academic Council and approved by the Chancellor.

4. The award of fellowships and research scholarships shall be made subject to the following conditions: -
   - (i) The fellow/scholar will do whole-time research work under an approved guide on a subject approved by the University.
   - (ii) The fellow/scholar shall not accept or hold any appointment paid or otherwise or receive any emolument, salary, stipend, etc. from any other source during the tenure of the award nor shall he engage himself in any profession or trade during that period. He may, however, under-take teaching assignment of not more than nine hours a week in the institution, where he is working without accepting any remuneration.
   - (iii) The fellow/scholar shall not join any other course of study or appear in any examination after commencing work under the fellowship/scholarship.
     Provided that the Vice-Chancellor may, on the recommendation of the guide, permit the Fellow/Scholar to join a Language diploma course and appear in an examination of the University.
   - (iv) Unless permitted by the guide to work for a specified period at some other place, the fellow/scholar shall be required to attend the institution where he is to work, on all working days.
   - (v) If any information submitted by the fellow/scholar in his application is found to be incorrect, incomplete or misleading, the award may be terminated by the Vice-Chancellor after giving him an opportunity of being heard.
   - (vi) If at any time it should appear to the University that the progress or conduct of the fellow/scholar has not been satisfactory, the fellowship/scholarship may be suspended or withdrawn.
   - (vii) (a) Leave for a maximum of thirty days in a year in addition to general holidays may be taken by a fellow/scholar with the approval of the guide and the University. The general holidays however, do not include the

vacation period e.g. summer, Dussehra, Diwali and X-mas vacations. No other leave with fellowship/scholarship shall be admissible.

(b) The fellow/scholar may, in special case, be allowed by the University leave without fellowship/scholarship for a period not exceeding three months during tenure of the award on the recommendation of the guide.

(viii) The fellow/scholar shall be required to pay the fees prescribed by the institution where he works.

5. Graduate and Post-graduate scholarships instituted by the University shall ordinarily be tenable for two academic sessions i.e. twelve months in the first year and ten months in the second year on condition that the scholarship-holder produces a Certificate of efficiency in studies from the Head of the Department in the subject of study or the center.

6. The scholarship shall be tenable from the 1st of July if the scholarship-holder joins the course within one month of the date of the opening of the college after the summer vacation and pays the tuition fee from the commencement of the session. In any other case, it shall be tenable from the date on which the candidate joins the course.

7. The payment of scholarships shall be made only on receipt of scholar's pre-receipted bills duly countersigned by the Head of the Institution where he studies. No scholarship shall be drawn for a month unless the scholarship-holder has attended the institution regularly in the month.

8. The drawal of scholarship shall be done in accordance with the procedure that may be laid down by University.

9. A scholarship-holder shall not combine any other course of study with the course for which the award is made.

10. A scholarship shall be cancelled in the final year if the scholarship-holder fails to secure at least 55% marks in the Previous Examination of the concerned course.

11. If a scholarship-holder is unable to appear at the previous examination on account of sickness or any other reasonable cause, the scholarship for the months of March and April shall be paid only if the Head of the institution certifies that the scholar diligently studied for the examination, but was unable to take the examination for reasons beyond his control. Such a scholar shall not receive scholarship during the next session, but shall be entitled to the scholarship during the studies for the Final Examination, if the scholar passes the Previous Examination with the requisite standard in the succeeding year in the first attempt.

12. A scholarship-holder shall at all times be of good behavior and observe all rules of discipline.

13 (1) A scholarship shall be liable to termination, if:

(i) the scholarship-holder discontinues studies during the middle of a session; or

(ii) the scholarship-holder after he has been given a reasonable opportunity to explain his conduct, is in the opinion of the Vice-Chancellor or Governing Body guilty of a breach of para 12 of this Ordinance.

and if the Vice-Chancellor so directs, the scholarship-holder shall also be liable to refund the amount of scholarship drawn by him.

(2) The order of termination passed by the Vice-Chancellor shall be final.

Ordinance No. – 5

Conduct of Examination
(Section 27(1) (e) of the Adhiniyam)

1. All arrangement for the conduct of examination to be held by the University shall be made by the Registrar with the help of Controller of Examination (Deputy Registrar-Evaluation) in accordance with such directions as may be issued by the Board of Management in consultation with the Academic Council.

2. The Registrar shall prepare and duly publish a programme for the conduct of examinations specifying the date of each examination and the last dates by which applications and fees for examination shall be paid by the intending examinees.

3. (i) The Board of Management shall determine in consultation with the Academic Council the center(s) of examination in accordance with the provisions of the Adhiniyam and the Registrar shall in consultation with the Institution where there is an examination centre appoint Superintendent and Assistant Superintendents, if any, for each examination center and shall issue instructions for their guidance.

   (ii) Provided that for the purpose of appointment of an Assistant Superintendent at a center, the minimum strength of examinees appearing there-from shall be at least 300.

   (iii) The Superintendent of the Examination at each center shall be personally responsible for the safe custody of question papers and the answer-books sent to him and shall render to the University office a complete account of used and unused question papers and answer-books.

   (iv) The Superintendent shall supervise the work of invigilators working under him.

4. It shall be the duty of the Centre Superintendent to ensure that an examinee is the same person who had filled in the form of applicant for appearing at the examination, by way of checking the photograph pasted on the form and admit card.

5. The University may change the examination centre of the examinees any time if it deems proper without assigning any reason.

6. The Registrar may, on the recommendation of the Centre Superintendent, appoint an amanuensis to write down dictation pertaining to answers to question at the examination on behalf of an examinee who is unable to write himself/herself if he/she is medically handicapped duly certified by a Government Medical Officer, provided that such an amanuensis shall be a man/woman possessing qualification of at least one class / examination lower than that of the examinee concerned.

7. The University may from time to time appoint Inspectors or Board of Inspectors to see that the conduct of the examination is strictly according to the rules and procedure laid down. In the event of the Inspector pointing our serious breach of rules or procedure, the Vice-Chancellor may take such action as may be necessary including postponement or cancellation, wholly or in part, of the examination at the centre, and if any such action is

taken, a report of the action taken shall be made to the Board of Management at its next meeting.

8. The Vice-Chancellor may cancel an examination at all centers if he/she is satisfied that there has been a leakage of question paper(s) or any other irregularity which in his opinion warrants such a step and report the action taken at the next meeting of Board of Management.

9. The Board of Management may issue such general instructions, for the guidance of the Examiners, Centre Superintendents, Tabulators, Collators, as it considers necessary for the proper discharge of their duties.

10. If a candidate has any communication to make on the subject of his/her examination paper, it shall be made in writing to the Registrar direct.

11. Any attempt made by or on behalf of a candidate to secure preferential treatment in the matter of his/her examination shall be reported to the Registrar who shall place the matter before the Vice-Chancellor.

12. Except as otherwise decided by Board of Management the examination answer-books and the foil and counter foil of the marks obtained by the examinees except the tabulated results, shall be destroyed or otherwise disposed of after 6 months from the date of the declaration of the results of the examination provided that the evaluated answer books of revaluation shall be destroyed/disposed of after 3 months of the declaration of the revaluation result.

13. The Registrar shall publish the results of the University examinations on the notice board of the office of the University. The result, when published, shall simultaneously be communicated to the institutions concerned.

14. The remuneration of the Examiners, Superintendents, Assistant Superintendents, Invigilators, tabulators and Collators and deductions to be made in remuneration for errors noticed shall be such as may prescribed from time to time by the Board of Management.

15. No examinee shall leave the examination hall within half an hour of the start of the examination for any purpose whatsoever and no latecomer will be permitted for the examination after half an hour of its commencement.

16. Examinees desirous of leaving the examination hall temporarily shall be permitted to do so for a maximum period of 5 minutes. The absence shall be recorded and if the examinee fails to return within this limit of 5 minutes, he/she shall not be permitted to enter the examination hall, unless he/she gives convincing explanation.

17. A Candidate found talking during the examination hours shall be warned not to do so. If the candidate continues talking inspite of the warning by the invigilator, the answer-book of such examinee shall be withdrawn and a second answer book supplied. Only the second answer-book shall be sent for valuation. The first answer-book shall be cancelled and sent to the Registrar, by the Superintendent.

18. The Superintendent of an examination centre shall take action against an examinee who is found using or attempting to use unfair means in the examination hall or within the premises of the examination centre during the hours of examination, in the following manner:

(i) the examinee shall be called upon to surrender all the objectionable material found in his or her possession including the answer-book and a memorandum shall be prepared with date and time.

(ii) The statement of the examinee and the invigilator shall be recorded.

(iii) The examinee shall be issued a fresh answer-book marked Duplicate Using Unfair Means to attempt answers within the remaining time prescribed for the examination.

(iv) All the material so collected and the entire evidence along with a statement of the examinee and the answer-book duly initialed shall be forwarded to the Registrar by name, in a separate confidential sealed registered packed packet marked "Unfair Means" along with the observations of the Superintendent.

(v) The material so collected from the examinee together with both the answer-book, viz, the answer-book while using unfair means and the other supplied afterward, will be sent to the Examiner by the Registrar for assessing both the answer-books separately and to report if the examinee has actually, used unfair means in view of the material collected.

(vi) The cases of the use of unfair means at the examination as reported by the Centre Superintendent along with the report of the Examiner shall be examined by a Committee to be appointed by Board of Management every year.

(vii) The Committee shall after examining all documents of the case decide the action to be taken in each case and report to the Vice-Chancellor regarding the action taken in accordance with the regulations made by the Board of Management for the purpose.

19. (1) where a candidate applies for revaluation the answer-book in which revaluation is sought will be sent for valuation by the Vice-Chancellor to two examiners (other than the one who initially valued it). Each of the two examiners shall receive a remuneration as may be prescribed by the Board of Management from time to time.

(2) If the marks awarded in the paper by any of the two examiners varies from the marks given by the original examiner by more than 10% maximum marks in the paper, the average of the marks awarded by two of the examiners the original examiner and the two revaluers and nearest to each other will be taken to represent the "correct valuation". This average of marks will be awarded to the candidate and his result shall be revised accordingly.

Provided that subject to the condition that atleast one of the variation from the original marks is more than 10% of the maximum marks in the paper of two difference in marks allotted by the three examiners are equal, the two marks to the best advantage of the candidate shall be taken into account for arriving at the correct valuation.

20. In this Ordinance and in all Ordinances and Regulations laying down conditions for appearing at an examination of the University for a degree or a diploma either generally or for a particular examination, unless there is anything repugnant in the subject on context:

(i) "Regular candidates" means a person who has prosecuted a regular course of study in a University Teaching Department, School of Studies or an institution/affiliated college identified as a centre and seeks admission to an examination of the University as such.

(ii) "Ex-student candidate" means a person who was admitted to an examination as a regular candidate and was not declared successful there at or was not able to appear in the examination though admission card was correctly issued to him by the University and seeks admission again to the said examination.

(iii) A candidate shall be admitted as a regular candidate only when he has attended atleast 75% of lectures and practicals separately.

(iv) In computing the attendance for fulfillment of the condition regarding prosecution of a regular course of study :

(a) Attendance at lectures delivered and practical/clinical/sessional, if any held during the academic session shall be counted.

(b) Attendance at any lecture delivered or practical/clinical/ sessional held within seven days preceding the first day of the written examination shall not be counted for the purpose in case of annual examination.

(c) Attendance kept by a regular candidate in a higher class shall be counted towards percentage of attendance for examination of lower class to which he may revert as result of his failure to pass in the supplementary examination.

(d) Attendance at N.C.C./N.S.S. Camp during the session shall be taken as full attendance at lectures/practicals on each such day of camp and the days for journey to such camp.

(e) Participation as a member of a University team in any Inter University competition shall be taken as full attendance on the days of such competition and the days of journey for participating therein.

(v) For special reasons such as prolonged illness deficiency in percentage of attendance not exceeding fifteen percent of the total number of lectures delivered and practical/clinical/ sessional held in each subject may be condoned by the Vice-Chancellor.

21. (1) No ex-student candidate shall be admitted to an examination of the University unless he submits with his application for appearing in the examination.

(i) The statement of marks (in original) obtained by him at the said examination issued by the University together with an attested copy thereof, or

(ii) In case he was duly admitted to the said examination as a regular candidate but he could not appear there and a certificate from the institute last attended by him showing the year, the roll number and the examination to which he was admitted as a regular candidate.

(2) Every ex-student candidate shall appear at the Examination Centre at which he appeared as regular candidate.

22. Where there are two or three examination for any degree such as part I, II and III or previous and final examinations and there are two or more alternative subject/course for such a degree, a candidate for the degree must take the same subject/course in part III/ final examination as he has taken in the parts I and II/ previous examination.

23. No Candidate shall appear, in more than one-degree examination or in more than one subject for the Master's degree (Previous or Final) in one and the same year.

24. A candidate who has passed the Bachelor's degree Part I or Part II examination or the previous examination for a Master's degree of another University may, with the permission of the Vice-Chancellor be admitted to the next higher examination of the University for the degree concerned provided the course offered by the candidate at such other University is equivalent to the course of the University for the corresponding examination.

25. No person who has been expelled or rusticated from any college or University or has been debarred from appearing at a University examination shall be admitted to any examination during the period for which the sentence is in operation.

26. An application for admission to an examination received by the Registrar after the last date notified by the University but not later than fifteen days after such last date may be entertained on payment of a late fee as prescribed by the University from time to time.

27. Notwithstanding anything contained in the Ordinances relating to admission of candidates to an examination of the University the Vice-Chancellor may, in special cases in which he is satisfied that the delay in submitting the application for admission to an examination is not due to lack of negligence on the part of the candidate and that it would be a great hardship to the candidate if his application is rejected, allow an application which is otherwise complete in all respects to be entertained with the late fee prescribed by the Board of Management from time to time even though the same is received after the expiry of the period of fifteen days mentioned in the foregoing paragraph.

28. (1) The Registrar shall issue an admission card in favour of a candidate if:
  (a) The application of the candidate is complete in all particulars in accordance with the provisions applicable to him and in order.
  (b) The candidate is eligible for admission to examination, and
  (c) The fees as prescribed have been paid by the candidate.

(2) Where the practical examination is held earlier than the examination in theory papers a candidate shall not be deemed to have been admitted to the examination until he is issued an admission card for appearing in the examination.

(3) The admission card issued in favour of a candidate to appear at an examination may be withdrawn if it is found that: -
  (a) The admission card was issued by mistake, or the candidate was not eligible to appear in the examination.
  (b) Any of the particulars given or document submitted by the candidate in or with the application for enrolment, admission to institute, teaching department at all campuses/ affiliated institute/college or school of studies or admission to an examination is false or incorrect.

(4) The Registrar may, if he is satisfied that an admission card has been lost or destroyed, grant a duplicate admission card on payment of a fee prescribed by the University. Such card shall show in a prominent place the word "Duplicate".

29. A candidate shall not be admitted into the Examination hall unless he produces the admission card before the Superintendent of Examination Centre or the invigilator or

satisfies such officers that it shall be produced. A candidate shall produce his admission card whenever required by the Superintendent or the invigilator.

30. (a) In the Examination Hall the candidate shall be under the disciplinary control of the Superintendent of the centre and he shall obey his instructions. In the event of a candidate disobeying the instruction of the Superintendent or his indiscipline conduct or insolent behavior toward the Superintendent or any invigilator the candidate may be excluded from the rest of the examination by the Superintendent of the Centre.

(b) If a candidate acts in a violent manner or uses force or makes a display of force towards the Superintendent or any invigilator at the centre or in its precincts endangering the safety of either of them or acts in a manner unlikely to the authorities in the discharge of their duties, the Superintendent may expel the candidate from the centre and he may take police help.

(c) If a candidate brings any dangerous weapon within the precincts of the examination centre he may be expelled from the centre and / or handed over to the police by the Superintendent.

(d) A candidate expelled on any of the grounds mentioned in (b) or (c) above will not be allowed to appear in the subsequent papers.

(e) In every case where action is taken by the Superintendent under (a), (b) or (c) above a full report shall be sent to the University and the Vice Chancellor may according to the gravity of the offence, further punish a candidate by cancelling his examination and / or debarring him from appearing at the examinations of the University for one or more year after giving the candidate an opportunity to show cause and considering any explanation submitted by the candidate.

31. (1) A candidate who, due to sickness or other cause, is unable to present himself/herself at an examination, shall not receive a refund of his fee. Provided that the Vice-Chancellor may, in case in which he is satisfied about the genuineness, or merit of it, order for adjustment of the following portion of the fee towards the immediately next examination, viz.

i. Examination fee after deduction of 10% paid.

ii. Fee for statement of marks.

Other fees paid by the candidate shall lapse to the University. Application for such adjustment from a candidate accompanied by a Medical Certificate of illness if applicable, must be sent so as to reach the Registrar not later than 30 days from the date of commencement of the examination at which the candidate was to appear. Provided, however, that a candidate shall not be entitled to the adjustment of examination fee mentioned in foregoing paragraph if he/she changes the faculty or his subject in case of postgraduate examination.

(2) Such application must be accompanied by fee as per schedule given below:

(a) In one subject	-	Rs. 200/-
(b) In all subject	-	Rs. 400/-

(3) A candidate shall not be entitled to a refund of the fee.

(4) The result of scrutiny shall be communicated to the candidate.

(5) If as a result of scrutiny it is found that the examinee should be declared as having passed or placed in a higher division the result of the candidate shall be revised accordingly.

32. (1) A candidate who has appeared in all the theory and practicals/viva internal assessment either at the annual examination or in a semester examination in 1st attempt and has failed in not more than two subjects only I undergraduate course of studies if the examination is in four or more subjects, and has secured atleast 25% marks in the subject in which he/she has failed but has also secured minimum total pass aggregate in the examination shall be eligible to apply for revaluation in two answer scripts only.

Provided that if the examination is a post graduate examination under annual system of examination consisting 4 theory papers the candidate who has appeared in all the theory, practicals, viva, internal assessment and has failed in not more than two theory papers shall also be eligible to apply for revaluation if he/she has secured atleast 30% marks in the paper in which he has failed but has secured minimum pass aggregate of marks.

Provided also that in case the examination is under the semester system examination a candidate who has appeared in the 1st attempt in all the theory papers, practicals, viva, internal assessment and has failed in not more then one subject or paper shall also be eligible to apply for revaluation of one answer script if he/she has secured atleast 25% in case of under graduate and 30% in case of post graduate examination if he/she has secured minimum pass aggregate at the examination.

Provided also that no candidate shall be eligible to apply for revaluation if the candidate has appeared as a supplementary candidate/as an ex-student/in second attempt or a candidate who clear backlog papers.

Provided also that if a candidate has appeared at examination in all the theory papers, practicals, viva, internal assessment and has passed the said examination in 1st attempt shall also be eligible to apply for revaluation of two/one answer script only as the case may be in which he/she has secured the lowest marks.

Provided that no candidate shall be allowed to have more than two answer-books /scripts revalued.

Provided also that no revaluation shall be allowed in case of scripts of practicals, fieldwork, sessional work, tests and thesis submitted in lieu of a paper at the examination.

(2) The fee for revaluation shall be Rs.500/- per answer-book/script.

(3) If the correct valuation arrived at as a result of revaluation exceeds the marks awarded by the original examiner the candidate shall not be entitled to a refund of revaluation fee deposited by him if as a result of revaluation the result of the candidate declared earlier is changed.

33. A candidate who is appearing in any final degree examination shall deposit a fee of Rs.200/- along with the examination fee for a Provisional Degree Certificate and Rs.100/- for Provisional Degree Certificate of passing the examination of the University.

34. No person who is under sentence of expulsion or rustication from a University Teaching Department, School of Studies or College or from the University or is debarred from appearing at examination of the University for any period of time shall be granted a Migration Certificate during the period for which the sentence is in operation.

35. Duplicate copies of the following certificates shall be granted on payment of the fee mentioned against each viz. –

(i)	Mark List	-	Rs.200/-
(ii)	Migration Certificate	-	Rs.500/-
(iii)	Provisional Certificate	-	Rs.250/-
(iv)	Degree Certificate	-	Rs.500/-

Provided further that duplicate copy of Migration Certificate shall not be granted except in cases in which the Registrar is satisfied by the production of an affidavit on a stamped paper of proper value required by law for the time being in force that the applicant has not utilized the original Migration certificate for appearing at an examination and has lost the same or that the same has been destroyed and that the applicant has real need for a duplicate.

36. Duplicate of University Degree /Diploma /certificate shall not be granted except in which the Vice-Chancellor is satisfied by the production of an affidavit on a stamped paper of proper Value required by law for the time being in force, that the applicant has lost his Degree /Diploma /certificate , or that it has been destroyed and the applicant has real need for a duplicate. In such cases, a duplicate of the diploma may be granted on receipt of a fee of Rs.1000/-.

37. The names of first ten successful candidates in each final Degree examination other than supplementary examination who obtain first division shall be declared in order of Merit after result of revaluation is declared.

38. Notwithstanding anything contained in the concerned Ordinance an examinee who has appeared in all the theory, practicals, viva, internal assessment, field work, project work at the annual examination in 1st attempt and fails by a total of not more than three marks in not more than two subjects in any of the Graduate examination except for where it is held on semester basis but secures more than the minimum aggregate marks required shall be given three grace marks to enable him to pass the examination.

39. The Vice-Chancellor may award one grace mark in case the candidate is failing by one mark or missing a division by one mark. Where the deficiency is so condoned, one mark shall nowhere be added.
Provided that the benefit under this paragraph shall not be allowed to enable a candidate to get the benefit under paragraph (39)

40. The scope of studies in different subjects for an examination shall be as prescribed by the University from time to time and printed in the prospectus for the examination concerned.

41. (1) The following shall be eligible to appear at supplementary examination

(a) Candidates who have failed at any B.A., B.Sc., B.Sc. (Home Science) or B.Com. examination in one or more than one subject or group as the case may be

(b) Candidates for examinations other than those enumerated in (a) above who are declared eligible to appear at a supplementary examination in accordance with the provisions of the respective examination Ordinance.

42. The Remuneration of the Paper Setters will be Rs. 250 per Paper. The Remuneration of the paper evaluators shall be Rs. 10 per copy. The Remuneration of the invigilators shall be Rs. 75 per shift . The Assistant Superintendent shall get a remuneration of Rs. 125 Per shift. The superintendent shall get a remuneration of Rs. 175 per shift. The tabulators shall get a remuneration of Rs. 100 per shift. The moderators shall get a remuneration of Rs. 200 per shift/question paper as the case may be.

Ordinance No. 6

Appointment of Examiners and Fees to be charged
(Section 27 (1) (f) of the Adhiniyam)

1. In this Ordinance: -
   (i) "Internal Examiner" means:
      (a) In case of theory paper, an examiner including a paper-setter who is a teacher in a University Teaching Department School of Studies / Faculties or institutions identified as centers or other Campus/(es) of the University.
      (b) In case of practical and viva-voce examination an examiner who is a teacher in the Institution whose candidates are being examined at the examination centre.
   (ii) "External Examiner" means an examiner other than an internal examiner.
   (iii) "Co-examiner" means an examiner in a written paper other than the paper setter.

2. The office of the Registrar shall prepare for every subject an institution wise list of names of persons qualified for appointment as examiners. The list shall be in two parts, the first part containing the names of persons working as teacher in the University Teaching Department, School of studies / Faculties or institution identified as centers or Satellite Campus of the University and the second part containing names of persons other than teachers of the University qualified for appointment as examiners, whose names shall be obtained by the Registrar's office from other Universities on its own initiative or under the direction of the Chairman of the Board of Studies concerned.

3. The list shall contain, as far as possible, information relating to the persons included therein on the following points namely-
   (a) The academic qualifications and teaching experience at degree and post graduate levels.
   (b) The field of specialization.
   (c) The examinations of the University and years in which they acted as examiners in the past.

4. (i) The list so prepared shall be made available to the Examination Committee concerned constituted by the Vice- Chancellor for each subject.
   (ii) The examination Committee shall consist of
      (a) Dean of Faculty as Chairman.
      (b) Chairman Board of Studies as Member.
      (c) One member of Board of Studies nominated by Vice- Chancellor.

5. The Registrar's office shall also give Examination Committee the approximate number of candidates expected to appear at each examination and the list of centers of each practical/viva-voce examination together with the estimated number of candidates thereat.

6. The Examination Committee shall, in the light of the provisions of the following paragraphs, recommend-
   (i) A panel of three names for the appointment of the paper-setter of each written paper.

(ii) A list of names of persons for appointment as co-examiners where necessary, the number of names included in the list being at least fifty percent in excess of the number to be appointed.

(iii) A list of names of persons for appointment as examiners in each practical / Viva-Voce examination, the number of names included in the list being sufficient for the conduct of practical/ Viva – Voce examination at different centre.

7. The Vice-Chancellor shall appoint paper-setters, co-examiners, practical / Viva-Voce examiners ordinarily from amongst persons recommended by the Examination Committee. He may, however, appoint a person whose name is not included in the list of names recommended by the Examination committee if he is satisfied that the person in question possesses the minimum qualification and his appointment will not be contrary to the provisions of the following paragraphs.

8. The Qualification of the Paper-setter and Co-examiners shall be as follows, namely –

(A) Paper-setter:

Examination	**Qualification**
(i) Post–Graduate examination in all Faculties other than Law.	Experience of teaching the subject at the post-graduate level for at least five years, Or Experience of teaching the subject at the Post – graduate level for atleast five years together with research experience/ total teaching experience at the degree and / or Post graduate level for atleast seven years.
(ii) L.L.M	(ii) Master's degree or higher degree in Law and teaching experience at LL.M level for at least seven years. Or Experience as High Court Judge. Or Standing of atleast fifteen years at the Bar.
(iii) Degree examinations in all Faculties other than Engg. , Law, Medicine and Oriental Medicine.	Teaching the subject at Degree and / or post-graduate level for atleast five years.
(iv) Degree examination in Faculty of Engineering.	Teaching Experience at Degree/ Post – graduate level and/ or Professional experience for atleast seven years.
(v) Degree examination in the Faculty of Oriental Medicine and Medicine except for Pharmacy and Nursing.	Teaching experience in the subject at the degree and / or post-graduate level for at least five years. Or 7 years of Professional Experience

(vi) LL. B	Teaching experience of LL.B. and/ or LL.M classes for at least seven years. OR Judicial experience as District Judge for atleast five years. OR Standing of atleast twelve years at the Bar.
(vii) Diploma examination in all Faculties other than those in the faculty of Medicine	Teaching experience of atleast three years of Degree and /or five years of diploma classes. OR Ten years of professional experience.
(viii) Diploma examination in the Faculty of Medicine.	A Doctor's or Master's Degree or a post-graduate Diploma of a recognized University or an equivalent qualification in the subject and atleast five years teaching experience in the subject in any University or college recognized by the Medical Council of India.
(ix) Post-graduate Diploma in all Faculties	At least seven years of teaching experience at the degree level or at least five years teaching experience of Post-graduate Degree/Diploma classes in the subject.
(x) Degree in Pharmacy	At least Masters Degree examination in Pharmacy with 3 years teaching experience.
(xi) Degree in Nursing	At least a Masters Degree examination in Nursing with 2 years practical/ teaching experience.

(B) **Co-examiners**

The qualification shall be the same as for Paper-setter but the minimum teaching/professional experience required shall be less by two years than that prescribed in case of the Paper-setter.

Provided that in case of degree examinations where sufficient number of Paper Setter/ internal/ co-examiners in a subject with the aforesaid qualifications are not available, teacher in the University Teaching Department/School of Studies and College in the University with at least three years teaching experience at the degree/post-graduate level in the Subject shall be eligible for appointment as Co-examiners. Provided further that in case of emergency any recognized teacher / practitioner with the permission of the Vice-Chancellor may be appointed as Paper Setter / Co-examiner.

9. (1) In case of practical and Viva-Voce examinations at the post-graduate level, the external examiner shall be a person not below the rank of a Reader / Associate Professor.

(2) In case of Practical and Viva-Voce examinations at the first degree level the external examiners shall be a teacher of the subject with not less than three years experience of teaching the subject at the degree and/or post-graduate level.

(3) The internal examiner in case of Viva-Voce examination at the post-graduate level shall be a senior teacher in the subject in the Institution whose regular candidates are to be examined at the Centre.

(4) The internal examiner in case of practical examination both at the degree and the post-graduate level shall be appointed from amongst the teachers of the Institution, whose regular candidates are to be examined at the Centre, on the recommendation of the Head of such Institution.

(5) The external examiner at the post-graduate level in case of a Practical/Viva-Voce examination shall not ordinarily be a teacher in a University Teaching Department/School of studies or centre of the University.

(6) Except in the Faculties of Medicine, Oriental Medicine, Engineering, Information Technology, Education and Physical Education all external examiners in case of practical examination at the first degree level shall as for as possible be appointed from amongst the teacher in any University Teaching Department, School of Studies or centres of the University.

10. (1) Ordinarily 50% of the paper-setter at the post-graduate examination and 25% of the paper-setter at the first degree examination in any subject shall be external.

(2) Where in any paper more than one examiner is appointed, the paper-setter shall be the Head-examiner. Examiners other than the Paper-setter shall be the Co-examiners.

(3) All Co-examiners shall be internal, provided that if sufficient number of qualified teachers in a subject are not available for appointment as Co-examiners, external Co-examiners may be appointed.

(4) For appointment as Paper-setter and Co-examiners teachers in the University Teaching Department, School of Studies and center / Satellite Campuses of the University shall ordinarily be considered on the basis of seniority, subject to fulfillment of other conditions for such appointment.

11. (1) No one shall ordinarily be given more than one theory examinership (paper-setter or Co-examinership). In case the Examination Committee considers it necessary to recommend more than one examinership (one for the first degree examination and one for Post-graduate examinership) in case of any person it shall specify its reasons for doing so for the consideration of the Vice-Chancellor.

(2) Ordinarily not more than one paper-setter shall be appointed from any one University Teaching Department, School of Studies or College in the same subject at any one examination.

(3) No one who is a paper-setter at any post-graduate examination shall be appointed as an external Viva-Voce examiner at that examination.

(4) No one shall ordinarily be given more than two external Practical examinationships, provided that in case of Centre where the total strength of candidates appearing at Part I, II and III of a first degree examination is less than 120, one external examiner may be appointed for all the three examinations.

(5) In case of under graduate practical examinations, one external examiner shall not ordinary examine more than 120 candidates.

(6) In case of written examination, an examiner shall not ordinarily value more than 250 scripts and a Co-examiner shall be appointed if the number of candidates appearing in the paper is more than 300.

(7) While recommending names for examinership in faculties where English is not the sole medium of examination the Examination-Committee shall ensure that the examiners recommended can value the scripts written in Hindi.

(8) The provision of sub-paragraphs (1) and (2) above shall not apply in case of Examination in the Faculties of Engineering, Information Technology, Education, Physical Education, Medicine and Oriental Medicine.

12. (1) Examiner shall be appointed for the examination of one year only, but they shall be eligible for re-appointment.

(2) Any person who has acted as an examiner (paper-setter, Co-examiners or external Viva-Voce examiner) for three consecutive years shall, ordinarily, not be eligible for re-appointment until a period of one year elapses between the year in which he last acted as an examiner and the year in which he is re-appointed.

Provided that such a gap will not be necessary in case of internal examiners if the number of eligible examiners in the subject concerned is less than the number of internal examiners required.

Provided, also that on the recommendation of the Examination Committee a specialist or expert may be continued for two years more after the expiry of the three years period without gap.

(3) An examiner may be discontinued any time even before the expiry of the three years period if his work is unsatisfactory in the opinion of the Vice Chancellor.

An examiner's work shall be deemed to be unsatisfactory if (i) mistakes of such nature are found in his work in the course of checking and scrutiny which affect the result or (ii) he is found by the Board of Management to have delayed the work without good cause or (iii) there is an adverse report from the Head Examiner, or (iv) in the opinion of the Board of Management there are reasonable doubts about his integrity or suspicion that he is accessible to examinees or their relations and /or (v) If there are serious complaints against his paper e.g. that his paper was much above or below the standard or contained questions outside the prescribed course.

13. (1) In a paper for which there is only one examiner, he shall set the paper and value the answer-books received by him.

(2) In a paper for which more than one examiner has been appointed, the Head examiner shall-

(i) Set the paper

(ii) Forward a memorandum of instructions for the guidance of the co-examiners to secure conformity with his own standard in the valuation of the answer-books by his co-examiners.

14. If for any reason an examiner becomes unable to value the answer-books or to perform the duties of the Head Examiner, after setting the question paper, he shall be entitled to receive

only the amount of fees for paper setting the evaluation fee being payable to the examiner who values the answer-books or acts as Head Examiner.

Provided that if the paper-setter dies before he is able to take up or complete the valuation of answer-books, full fee prescribed for paper setting shall be paid to the heirs of such paper-setter.

15. In any subject, if a Viva-Voce examination is prescribed, it shall be conducted by a board of two examiners of whom one shall be an external examiner and the other internal.

16. In the case of a subject for M.A., M.Sc., M.Com and M.P.E. or any other Post Graduate Examination where thesis is permissible in lieu of a paper or a project there shall be a Board of two examiners for reading the thesis. The maximum number of marks for the thesis shall be equally divided between the two examiners each of whom shall mark the thesis independently. If the valuations of these two examiners differ by 20%, the thesis shall be referred to the third examiner (other than a teacher of the University) who shall award marks out of half of the maximum marks for the thesis. The aggregate of two (of the three) awards nearest to each other and to the best advantage of the candidate shall be taken as the correct valuation.

17. In case of an examination for a research degree, the Examination Committee shall recommend for each thesis to be examined a panel of at least six names of persons who:
   (a) Possess a research degree in the subject and at least ten years teaching experience at the postgraduate level OR
   (b) Are scholars of repute in the subject.

18. (i) No person shall act as paper-setter or examiner either in theory, Viva-Voce or practical examination if any of his relations is taking the examination, provided that this provision shall not debar a person from acting as an examiner for practical at a Centre other than at which his relation is appearing.
   (ii) No person shall act as moderator or tabulator for any examination if any of his relations is appearing/has appeared at that examination.

19. (a) The fees charged for various courses, degrees and Diplomas of the University shall be in the range of a minimum of Rs. 10,000(Rs. Ten thousand) and a maximum of Rs. 50,000 (Rs. Fifty Thousand) in Each semester. The fees charged for various courses, degrees and Diplomas of the University shall be in the range of a minimum of Rs. 20,000(Rs. Twenty thousand) and a maximum of Rs. 100,000 (Rs. One Lakh) in Each year. The examination fees shall be a minimum of Rs. 1000(one thousand) and a maximum of Rs. 10000/- (Ten thousand) Each semester or Per year as the case may be,

   (b) The fees to be charged for the various courses examinations, degrees and diplomas of the university in the subsequent semester/(s)/year/(s) may be subjected to change by the Academic Council with the prior approval of the Board of Management.

Ordinance No. 7

Condition of Residence in the Hostel
(Section 27(1) (g) of the Adhiniyam)

1. The hostel maintained by the University will provide accommodation to its students.

2. Every hosteller shall at all times be of good behaviour, maintain decorum and dignity and observe all rules of the hostel.

3. Each student wishing to reside in the hostel shall apply on the prescribed form along with the application for the admission. The Head of Department shall forward the application to the Chief-Warden after the candidate is admitted.

4. The admission to hostel shall be granted at the discretion of the Warden in consultation with Chief-Warden. The student in no case will be allowed to stay in the hostel for more than the prescribed minimum duration of the course as a student of a particular course.

5. The student will occupy the room allotted to him by the Warden. No mutual exchange shall be permitted without the permission of Warden.

6. Roll call shall be taken on night at 9.00 p.m. in winter (15th October to 14th March) and 10.00p.m. in summer (15th March to 14th October). The student will have to take prior permission from the Warden to return late and to leave hostel during holidays. Ordinarily no student will be permitted to leave the station more than twice in a month.

7. No alcoholic drinks or any other intoxicants, tobacco products, fire arms or weapons, etc., shall be permitted in the hostel.

8. Furniture cannot be removed from one room to another except with the permission of Warden. The inmate of the room shall be responsible for the fixtures and furniture provided in the room. The candidate occupying the room shall have to furnish a receipt of all the furnitures and fixtures on the prescribed proforma. All damages to furniture, fittings, etc. will be replaced at the cost of the inmate.

9. Ordinarily no guest shall be allowed to stay in the hostel during night.

10. The hostellers are required to keep their rooms clean and tidy. Inspection of the hostel can be made by the Warden and Chief-Warden without any notice.

11. The use of loudspeakers, loud playing of radio/transistor/television, etc. likely to disturb the boarders are prohibited. No room heaters shall be permitted in the rooms without the permission of Chief Warden/Warden.

12. No meeting or gathering of the students can be made in the hostel without the permission of the Warden and Chief-Warden both.

13. The warden and Chief warden shall be appointed as mentioned in 11.4.1.3 in the First Statutes in staffing

13. The students shall be required to vacate the hostel within 10 days of the his / her last paper/practical of the session. The Ph.D. students may be permitted to occupy the hostel during summer vacation. They will have to vacate within 10 days of the submission of Ph.D. thesis.

14. The food services shall be arranged by the Warden in consultation with the Chief-Warden and two representatives of the hostellers. It may either be a cooperative mess, managed by the hostellers or a mess run by a contractor.

15. The absenting from the hostel or coming late to the hostel after the roll call without prior sanction of the Warden shall be liable to a fine of Rs.100/- on each occasion. Habitual reoccurrence of such offence may result in the expulsion of the hosteller from the hostel.

16. The Warden is empowered to levy a fine up to Rs.500/- for any breach of hostel rules, neglect of duties or irregularities. Persistent indulgence in such affairs of misconduct on the part of the hosteller may be dealt with by the Warden appropriately. According to the nature and gravity of the offence the Warden may:
    i. Expel the student from the hostel.
    ii. Recommend to the Head of the School, where he is studying to:
        (a) disqualify from appearing at the next ensuing examination or
        (b) rusticate such a student. It shall be obligatory for the Head of the School/ department to act according to the recommendations of the Warden.

    Before inflicting any punishment aforesaid, the Warden shall give the hosteller concerned an opportunity of personal hearing and record the reasons of inflicting the punishment in writing.

    Appeal on the order of the Warden can be made by the hosteller to the Chief-Warden. The Chief-Warden after giving a personal hearing to the hosteller concerned will decide the issue. The decision of the Chief-Warden shall be final.

17. The fees and other dues shall be prescribed for the hostel by the Academic Council. In case of non-payment of dues within the scheduled time, the hosteller shall be liable to be expelled from the hostel.

18. Notwithstanding anything, the Chief-Warden shall have the power to get the hostel vacated temporarily by any one or more than one hostellers without assigning any reason as short notice.

19. The Warden for each hostel and Chief-Warden for all the hostels shall be appointed by the Vice-Chancellor.

20. The responsibility of the warden and the chief-warden shall be with the Deputy Registrar and the Registrar till such time they are appointed through the proper channel.

Ordinance No. 8

Maintenance of Discipline amongst students
(section 27 (1) (h) of the Adhiniyam)

1. All students pursuing a course of study at the University Teaching Department/Campus(es)/affiliated /recognized college/institution / study Centre as mentioned in First statutes shall observe a code of conduct.

2. Any violation of the code of conduct or breach of any rule or regulation of the University Teaching Department/Campus(es)/affiliated /recognized college/institution / study Centre as mentioned in First statutes by the student shall constitute an act of indiscipline and shall make him/her liable for disciplinary action against him/her

3. The Following acts shall constitute acts of gross indiscipline and students indulging in any of them shall be liable for disciplinary action against him.
   a. Disobeying the teacher.
   b. Misbehaving in the class.
   c. Quarrelling fighting and passing derogatory remarks in the University Teaching Department/Campus(es)/affiliated /recognized college/institution / study Centre as mentioned in First statutes, premises.
   d. Quarrelling, fighting or abusing the University Teaching Department/Campus(es)/affiliated /recognized college/institution / study Centre as mentioned in First statutes employees, workers of canteen, mess or any other public utility functioning in the campuses.
   e. Behaving in an indecent manner and harass the teachers, employees of the University Teaching Department/Campus(es)/affiliated /recognized college/institution / study Centre as mentioned in First statutes or fellow students in the campus and outside.
   f. Indulge in ragging.
   g. Any other act which the Discipline Committee may determine to be undesirable.

4. The Chief–Proctor and Proctors may be appointed from amongst the teachers or the staff members by the Vice-Chancellor for a period of two years. The Chief–Proctor and the Proctors so appointed by the Vice-Chancellor can be removed by the Vice-Chancellor before the expiry of their term of two years

5. The Proctors may be appointed to maintain the discipline at the centers by the Vice-Chancellor.

6. The Chief-Proctor and the Proctors may be paid honorarium as decided by the Academic Council and Board of Management.

7. Powers and Duties of Chief Proctor and Proctors: - The Chief Proctor subject to the control of Vice Chancellor, Proctors shall exercise following powers: -
   (i) Take action in all matters of indiscipline brought to his notice by any teacher, student(s), employee(s) of the University Teaching

Department/Campus(es)/affiliated /recognized college/institution / study Centre as mentioned in First statutes or any responsible person.

(ii) If any act of indiscipline comes to his notice, it shall be his duty to take necessary action to curb down indiscipline.

(iii) If in the opinion of Chief-Proctor, the act of indiscipline is not of a serious nature, he may hold a summary inquiry and shall have powers to impose following penalties.

  (a) issue a formal warning

  (b) a reasonable fine not exceeding Rs.1,000/-

(iv) If in the opinion of Chief-Proctor, the breach of discipline is of a serious nature, he may get the preliminary inquiry conducted by either a Proctor or any person he deems fit. The inquiry report shall be placed before a Committee consisting of at least three persons, constituted by the Chief Proctor.

(v) The Committee shall issue the show cause notice specifying the charges and call upon the accused to present his/her explanation and examine all relevant documents and/or evidences and recommend for the punishment.

(vi) The recommendation of imposing fine or issuing a warning shall be sent to Chief Proctor for executing, all other recommendations shall be placed before the Vice-Chancellor. On the approval by the Vice-Chancellor, the punishment shall be executed by the Chief-Proctor.

(vii) The Chief-Proctor can delegate his powers to the Proctors of University Teaching Department/Campus(es)/affiliated /recognized college/institution / study Centre as mentioned in First statutes

Ordinance No. 9

Other Bodies for improvement of Academic life of the University (Section 27 (1) (i) of the Adhiniyam)

I. In addition to the Academic Council [Section 19 (1) (3)] the University shall have following bodies for the improvement of academic life of the University.

(i) Faculty

(ii) Board of Studies

II. Faculty: 1 Each faculty shall consist of following members

(a) Dean of the faculty Chairman

(b) All Chairman of the Board of Studies of the subjects included in the faculty.

(c) All Professors of the University teaching Departments assigned to the faculty.

(d) Two Readers of University Teaching Departments of the subjects assigned to the faculty nominated by Vice - Chancellor by rotation in order of seniority or otherwise.

(e) Two Readers of Centre / various Campuses of University nominated by Vice-Chancellor by rotation according to seniority or otherwise.

(f) Six Lecturers drawn from University Teaching Departments the subjects assigned to the faculty nominated by Vice-Chancellor by rotation according to seniority or otherwise.

(g) Two persons co-opted by the faculty having expert knowledge of the subjects assigned to the faculty. Provided that the co-opted persons shall be of different subjects.

1. All members of the faculty other than ex-officio members and Deans shall hold office for a term of three years.

2. One-third of the total membership of the faculty shall constitute a quorum.

3. The faculty shall have the following powers.

(a) Subject to the control of the Academic Council to organize, coordinate and regulate teaching and research activities of the Departments assigned to it.

(b) To approve the courses of studies for different examinations proposed by the board of Studies and to remit matters to Board of Studies.

(c) To recommend to the Academic Council the conditions for the award of degrees, diplomas, certificates and other distinctions including the scheme of examinations for different degrees.

(d) To deal with such other matters relating to the subjects within its purview as may be referred to it by the Academic Council or the Vice-Chancellor.

(e) To hold meetings, joint meetings of faculties with the approval of Vice-Chancellor with a view to develop multidisciplinary courses. Such joint meetings shall be presided over by a Dean nominated by the Vice-Chancellor.

4. The following shall be the faculties and the subjects assigned to them

S. No.	Name of faculty	Subjects or Group of Subjects/departments
1.	Faculty of Information Technology	1. Information Technology 2. Electronics and Telecommunication
2.	Faculty of Management Studies	1. Management 2. Commerce
3.	Faculty of Bio-Informatics and Medical Technology	1. Bio-Technology and Bio-Informatics 2. Medical Lab Technology 3. Physiotherapy 4. Occupational Therapy
4.	Faculty of Arts and Social Science	1. English and other European Language 2. Sanskrit, Pali and Prakrit 3. Hindi 4. Literature 5. Urdu, Arabic and Persian 6. Modern Indian Languages 7. Philosophy 8. Library Science 9. Music and Dance 10. Drawing and Painting 11. Chinese and Japanese Studies 12. Anthropology 13. Ancient Indian History, Culture and Archaeology 14. Economics 15. Geography 16. History 17. Political Science and Public Administration 18. Psychology 19. Defense Studies 20. Rural Extension Service 21. Sociology and Social Work
5.	Faculty of Agricultural Sciences	1. Agriculture and Horticulture 2. Genetics and Plant Breeding 3. Sericulture
6.	Faculty of Environmental Sciences	1. Environmental Science

7.	Faculty of Engineering	1. Applied Physics 2. Applied Chemistry 3. Applied Mathematics 4. Applied Geology 5. Electronic Engineering 6. Chemical Engineering 7. Chemical Technology 8. Architecture 9. Civil 10. Mechanical 11. Planning 12. Textiles
8.	Faculty of Law	1. Law
9.	Faculty of Education	1. Education including Science Education 2. Applied Psychology 3. Physical Education 4. Yogic Science
10.	Faculty of Science and Applied Sciences	1. Physics 2. Chemistry 3. Botany 4. Zoology 5. Bio-Chemistry 6. Microbiology 7. Life Sciences 8. Mathematics 9. Earth Sciences (Geology) 10. Statistics 11. Criminology and Forensic Science
11.	Faculty of Home Science	1. Home-Science
12.	Faculty of Oriental Medicine	1. Indian Medicine 2. Ayurvedic Medicine 3. Homeopathic Medicine 4. Unani Medicine 5. Sidha Medicine
13.	Faculty of Physical Education	1. Physical Education
14.	Faculty of Medicine	1. Anatomy, physiology and Bio-Chemistry 2. Pharmacology, Forensic Medicine and allied subjects

3. Preventive and Social Medicine
4. Pathology and Microbiology
5. Medicine, Skin and veneral diseases, Tuberculosis, Psychiatry
6. Surgery and Anesthesiology
7. Orthopedics and Ear, Nose and Throat (ENT)
8. Obstetrics and Gynaecology and Paediatrics
9. Ophthalmology and Radiology
10. Nursing
11. Dentistry (If there is a separate college of Dentistry)
12. Paramedical Courses.

15. Faculty of Hospitality & Tourism Management
    1. Hospitality and Tourism Management
16. Faculty of Media & Mass Communication
    1. Journalism and Mass Communication
17. Faculty of Fashion Technology
    1. Fashion Technologies and Management
18. Faculty of Performing Arts & Creative Education
    1. Performing Arts & Creative Education

Provided that the Academic Council on the recommendation of faculty shall have power to add or delete the subject in each faculty.

III. Board of Studies

(i) The Board of Studies for each subject or group of subjects / Departments shall be constituted.

(ii) The constitution, powers and duties of Board of Studies shall be as prescribed in Ordinance-2.

IV. Dean of Faculty

The Dean of faculty shall be appointed by the Vice-Chancellor in the manner laid down in Statute 5.

Ordinance No. 10

Cooperation and Collaboration with other University and Institution of Higher Education
(Section 27 (1) (j) of the Adhiniyam)

1. The University shall seek cooperation and collaboration with the existing Universities and Institutes of Higher Education, industrial/ business houses/ companies/any body corporate / society/trust/Association/co-operative Society/ NGO/ Schools/ Govt./ Semi-govt. organizations/public sector undertakings any other organization/individual/(s), in India and abroad and execute Memorandum of Understanding (MOU) detailing the extent and areas of cooperation and collaboration mutually agreed upon.

2. The University shall open its Study Centres as mentioned in the statutes, in various parts of the country and abroad, to promote Higher Education in emerging and traditional fields of studies in conformity with the provisions of the chhattisgarh niji kshetra vishwavidyalaya (sthapana aur viniyaman) adhiniyam 2002.

3. The University may collaborate with Universities and Institutes of Excellence engaged in Higher Education in foreign countries for the award of their degree in India.

राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

रायपुर, दिनांक 5 मार्च 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन 1/अ-82 वर्ष 2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने का लिए प्राधिकृत करता है.

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायपुर	पलारी	सेमरिया प.ह.नं. 33/37	7.349	कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, संभाग क्र. 2, रायपुर.	बलौदी, ओड़ान दतरेंगी मार्ग.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
अमिताभ जैन, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला जांजगीर-चांपा, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

जांजगीर-चांपा, दिनांक 2 अप्रैल

क्रमांक क/भू-अर्जन/247.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबन्ध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबन्ध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	डभरा	लटियाडीह प.ह.नं. 5	2.123	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	बड़े मुड़पार माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 9 जुलाई 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/706—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा 4 की उपधारा द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबन्ध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबन्ध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	सक्ती	अरजुनी प.ह.नं. 10	1.615	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरसिया.	बगडेवा माइनर.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 9 जुलाई 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/707—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा 4 की उपधारा द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबन्ध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबन्ध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	सक्ती	मरकाम गोढ़ी प.ह.नं. 7	3.440	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरसिया.	मरकाम गोढ़ी माइनर.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजनो सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 9 जुलाई 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/705—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा 4 की उपधारा द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबन्ध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबन्ध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	सक्ती	असौदा	4.844	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्रमांक 5, खरसिया.	अचानकपुर माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 9 जुलाई 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/704—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा 4 की उपधारा द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबन्ध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबन्ध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	सक्ती	पतेरपाली	3.005	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 5, खरसिया.	जुनवानी माइनर नहर निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 23 जुलाई 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/708—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा 4 की उपधारा द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबन्ध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबन्ध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	नंदेली प.ह.नं. 10	0.041	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 3, सक्ती.	गुंचकुलिया माइनर (पूरक)

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती/जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 23 जुलाई 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/709—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा 4 की उपधारा द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबन्ध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबन्ध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	ठठारी	0.480	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, 3 सक्ती.	अकलसरा माइनर नं. 2 निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 23 जुलाई 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/710—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 को धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा 4 की उपधारा द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबन्ध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबन्ध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	ठूठी प. ह. नं. 7	0.217	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्रमांक 3 सक्ती.	अकलसरा माइनर नं. 2

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना जांजगीर के कार्यालय में देखा जा सकता है.

जांजगीर-चांपा, दिनांक 23 जुलाई 2003

क्रमांक क/भू-अर्जन/711—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. सन् 1894) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को, इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन, इसके द्वारा, इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा 4 की उपधारा द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबन्ध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबन्ध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
जांजगीर-चांपा	जैजैपुर	अकलसरा	1.871	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्रमांक 3 सक्ती.	अकलसरा माइनर नं. 2 निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी, हसदेव परियोजना सक्ती के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
एम. आर. सारथी, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायगढ़, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग.

रायगढ़, दिनांक 1 जुलाई 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 15/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1984 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है.

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	रायगढ़	पटेलपाली प.ह.नं. 10	0.028	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, रायगढ़.	भुजबंधान जलाशय के नहर विस्तार हेतु भू-अर्जन.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 9 जुलाई 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 111/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1984 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	तुरेकेला	2.467	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	टर्न की पद्धति से कुरदा वितरक नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 9 जुलाई 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 112/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1984 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	गांड़ाबोरदी	2.910	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	टर्न की पद्धति से कुरदा वितरक नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 9 जुलाई 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 113/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1984 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	भागोडीह	2.893	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	टर्न की पद्धति से कुरदा वितरक नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 9 जुलाई 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 114/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1984 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	चारपारा	1.492	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	टर्न की पद्धति से कुरदा वितरक नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 9 जुलाई 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 115/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1984 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	डूमरभांठा	1.754	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	टर्न की पद्धति से कुरदा वितरक नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 9 जुलाई 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 116/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1984 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	घघरा	5.490	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	टर्न की पद्धति से कुरदा शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 24 जुलाई 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 131/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	गिधा	1.679	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरसिया.	टर्न की पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 24 जुलाई 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 132/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	रजघटा	3.132	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरसिया.	टर्न की पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 9 जून 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 133/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	टेमटेमा	1.525	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, खरसिया..	टर्न की पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 24 जुलाई 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 134/अ-82/2002 2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन					
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	बकेली	3.110	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	टर्न की पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 24 जुलाई 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 135/अ-82/2002 2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन					
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	घघरा	2.279	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	टर्न की पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 24 जुलाई 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 136/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक सन् 1984) संशोधित भू-अर्जन अधिनियम, 1984 की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है. राज्य शासन यह भी निर्देश देता है कि उक्त अधिनियम की धारा 5 (अ) के उपबंध, उक्त भूमि के संबंध में लागू नहीं होंगे, क्योंकि उसकी राय में उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1) के उपबंध उसके संबंध में लागू होते हैं :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
रायगढ़	खरसिया	गाड़ाबोरदी	0.650	कार्यपालन यंत्री, मिनीमाता बांगो नहर संभाग, क्र. 4, डभरा.	टर्न की पद्धाति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) भू-अर्जन अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
के. आर. पिस्दा, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला बिलासपुर, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

बिलासपुर, दिनांक 26 मई 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 33/अ-82/01-02.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 संशोधित अधिनियम सन् 1984 (क्रमाक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है.

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	तखतपुर	पेण्डारी	1.00	वनमण्डालधिकारी, वंनमण्डल, बिलासपुर.	कानन पेण्डारी के विस्तार हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व, कोटा कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 24 जून 2003

रा. प्र. क्र. 20/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (संशोधित अधिनियम सन् 1984) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई-शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है.

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	मुंगेली	दुलहीनबाय	4.03	कार्यपालन यंत्री, मनियारी जल संसाधन संभाग, मुंगेली.	आगर व्यपवर्तन योजना.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), मुंगेली के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 5 जुलाई 2003

रा. प्र. क्र. 21/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 संशोधित अधिनियम सन् 1984) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है.

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	मुंगेली	रेहुटा	1.144	कार्यपालन यंत्री, मनियारी जल संसाधन संभाग, मुंगेली.	आगर व्यपवर्तन योजना.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), मुंगेली के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 5 जुलाई 2003

रा. प्र. क्र. 22/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (संशोधित अधिनियम सन् 1984) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है.

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	मुंगेली	बरबसपुर	2.882	कार्यपालन यंत्री, मनियारी जल संसाधन संभाग, मुंगेली.	आगर व्यपवर्तन योजना.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), मुंगेली के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 5 जुलाई 2003

रा. प्र. क्र. 24/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (संशोधित अधिनियम सन् 1984) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है.

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (हेक्टेयर में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	मुंगेली	नेवासपुर	0.943	कार्यपालन यंत्री, मनियारी जल संसाधन संभाग, मुंगेली.	आगर व्यपवर्तन योजना.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), मुंगेली के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 24 जून 2003

रा. प्र. क्र. 29/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (संशोधित अधिनियम सन् 1984) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है.

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	मुंगेली	भरेवा	8.77	कार्यपालन यंत्री, मनियारी जल संसाधन संभाग, मुंगेली.	पथरिया व्यपवर्तन योजना.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मुंगेली के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 24 जून 2003

रा. प्र. क्र. 30/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (संशोधित अधिनियम सन् 1984) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है.

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	मुंगेली	भुलनकांपा	6.64	कार्यपालन यंत्री, मनियारी जल संसाधन संभाग, मुंगेली.	पथरिया व्यपवर्तन योजना.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), मुंगेली के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 1 जुलाई 2003

रा. प्र. क्र. 32/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (संशोधित अधिनियम सन् 1984) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है.

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	मुंगेली	बरईदहरा	0.23	कार्यपालन यंत्री, मनियारी जल संसाधन संभाग, मुंगेली.	आगर व्यपवर्तन योजना.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), मुंगेली के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 1 जुलाई 2003

रा. प्र. क्र. 33/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अतः भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (संशोधित अधिनियम, सन् 1984) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों को प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है.

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	मुंगेली	धनगांव	8.27	कार्यपालन यंत्री, मनियारी जल संसाधन संभाग, मुंगेली.	आगर व्यपवर्तन योजना.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), मुंगेली के कार्यालय में देखा जा सकता है.

बिलासपुर, दिनांक 1 जुलाई 2003

रा. प्र. क्र. 36/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक 1 सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, क्रमांक 1 उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है.

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
बिलासपुर	मुंगेली	नवागांव	0.48	कार्यपालन यंत्री, मनियारी जल संसाधन संभाग, मुंगेली.	पथरिया व्यपवर्तन योजना.

भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मुंगेली के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
आर. पी. मण्डल, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

कार्यालय, कलेक्टर, जिला राजनांदगांव, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व विभाग

राजनांदगांव, दिनांक 2 अगस्त 2003

क्रमांक 6642/भू-अर्जन/2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है :—

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2) के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)		
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
राजनांदगांव	छुईखदान	भरदागोड प. ह. नं. 18	43.49	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, छुईखदान.	पंडरिया जलाशय के अंतर्गत डुबान एवं बांध पार निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, खैरागढ़ के कार्यालय में किया जा सकता है.

राजनांदगांव, दिनांक 2 अगस्त 2003

क्रमांक 6643/भू-अर्जन/2003.—चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि इससे संलग्न अनुसूची के खाने (1) से (4) में वर्णित भूमि की अनुसूची के खाने (6) में उसके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता है, अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्रमांक एक सन् 1894) की धारा 4 की उपधारा (1) के उपबन्धों के अनुसार इसके द्वारा सभी संबंधित व्यक्तियों को इस आशय की सूचना दी जाती है कि राज्य शासन इसके द्वारा इस अनुसूची के खाने (5) में उल्लेखित अधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में, उक्त धारा 4 की उपधारा (2) द्वारा दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है.

अनुसूची

भूमि का वर्णन				धारा 4 की उपधारा (2)	सार्वजनिक प्रयोजन
जिला	तहसील	नगर/ग्राम	लगभग क्षेत्रफल (एकड़ में)	के द्वारा प्राधिकृत अधिकारी	का वर्णन
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
राजनांदगांव	छुईखदान	संडी प. ह. नं. 16	49.07	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संभाग, छुईखदान.	पंडरिया जलाशय के अंतर्गत डुबान उलट एवं बांध पार निर्माण हेतु.

भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी राजस्व, खैरागढ़ के कार्यालय में किया जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
डी. के. श्रीवास्तव, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.

राजस्व विभाग

कार्यालय, कलेक्टर, जिला रायगढ़, छत्तीसगढ़ एवं पदेन उप-सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व विभाग

रायगढ़, दिनांक 14 जुलाई 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 85/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. एक सन् 1984) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिए आवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन--
- (क) जिला-रायगढ़
- (ख) तहसील-खरसिया
- (ग) नगर/ग्राम-तेलीकोट
- (घ) लगभग क्षेत्रफल-1.830 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
3	0.040
4	0.020
53/3, 53/4, 53/5	0.024
452/1	0.020
53/2	0.020
55/1	0.040
55/2	0.024
56	0.097
59/2	0.024
60/1	0.020
67/1	0.057
87	0.081
60/4	0.069
89/3, 98/3	0.069
68/2	0.024
67/2	0.101
81	0.040
89/5, 98/4	0.045

(1)	(2)
59/1	0.020
450/2	0.162
427	0.028
430/2	0.036
429	0.069
437/2	0.040
431	0.073
437/4	0.053
444	0.077
450/4	0.162
442/1, 442/2	0.239
437/1	0.016
428, 430/1, 436	0.040
योग 31	1.830

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है-टर्न की पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

रायगढ़, दिनांक 14 जुलाई 2003

भू-अर्जन प्रकरण क्रमांक 86/अ-82/2002-2003.—चूंकि राज्य शासन को इस बात का समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची के पद (1) में वर्णित भूमि की अनुसूची के पद (2) में उल्लेखित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है. अत: भू-अर्जन अधिनियम, 1894 (क्र. एक सन् 1984) की धारा 6 के अंतर्गत इसके द्वारा यह घोषित किया जाता है कि उक्त भूमि की उक्त प्रयोजन के लिएआवश्यकता है :—

अनुसूची

(1) भूमि का वर्णन-

(क) जिला-रायगढ़

(ख) तहसील-खरसिया

(ग) नगर/ग्राम-आड़ाझर

(घ) लगभग क्षेत्रफल-2.487 हेक्टेयर

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
(1)	(2)
52/2	0.045
52/1	0.045
53/1	0.024
53/3	0.053
53/2	0.053
53/ 453/2	0.016
57/2	0.036
79	0.020
80, 78/2, 86/2,	0.032
81	0.069
98/4	0.020
98/9	0.057
98/12	0.073
220, 245	0.263
243/2, 242	0.032
243/4	0.077
339/2, 340/2, 340/1	0.162
78/1	0.053
82/2	0.085
102	0.073
83/3	0.028
98/5	0.028
98/14	0.069
217/1	0.057
98/7	0.012
238	0.296
98/2	0.061
241/1	0.016
241/2	0.004
99/4	0.016
100	0.016
243/1	0.012
104/2	0.045
104/3	0.040
200/1	0.061
200/2	0.093
217/2	0.061
221/1	0.012
246/1	0.012
239/1	0.061
240	0.053
236	0.061
235/1	0.012
235/3	0.061
341	0.012
योग 45	2.487

(2) सार्वजनिक प्रयोजन जिसके लिए आवश्यकता है--टर्न की पद्धति से खरसिया शाखा नहर के वितरण एवं लघु नहर हेतु.

(3) भूमि का नक्शा (प्लान) अनुविभागीय अधिकारी, राजस्व खरसिया के कार्यालय में देखा जा सकता है.

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार,
सुबोध कुमार सिंह, कलेक्टर एवं पदेन उप-सचिव.